रेलटेल
RAILTEL

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

रेलटेल प्रगति

योग, स्वास्थ्य एवं व्यवसाय विशेषांक

अंक 6

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(रेल मंत्रालय के अधीन, भारत सरकार का उपक्रम)

ऑफिस ब्लॉक, टोअर 2, छठा तल, प्लेट-ए, एनबीसीसी बिल्डिंग
पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली-110023
वेबसाइट: www.railtelindia.com

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा रेलटेल क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के माननीय सदस्यों द्वारा दिनांक 24.4.22 टेरीटरी कार्यालय चंडीगढ़ का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के माननीय सदस्यों द्वारा दिनांक 18.5.22 टेरीटरी कार्यालय चेन्नई का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के माननीय सदस्यों द्वारा दिनांक 18.6.22 क्षेत्रीय कार्यालय सिकंदराबाद का निरीक्षण

रेलटेल प्रगति

छठवां अंक

संरक्षक

श्रीमती अरूणा सिंह

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रधान संपादक

श्रीमती रुचिरा चटर्जी

महाप्रबंधक/सतर्कता, प्रशासन एवं सुरक्षा तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी

उप-संपादक

श्रीमती मेघना अग्रवाल

सहायक महाप्रबंधक/कार्मिक एवं प्रशासन

विजय कुमार सक्सेना

वरिष्ठ प्रबंधक/राजभाषा

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(रेल मंत्रालय के अधीन, भारत सरकार का उपक्रम)

ऑफिस ब्लॉक टॉवर-2, छठा तल, प्लेट-ए,
एनबीसीसी बिल्डिंग, पूर्वी किदवई नगर
नई दिल्ली-110023

दूरभाष: 011-22900600

फैक्स: 011-22900699

www.railtelindia.com

मुख पृष्ठ चित्र

- रेलटेल पूर्वी क्षेत्र ने दिनांक 31.05.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी शिमला से जुड़ते हुए।
- रेलटेल पूर्वी क्षेत्र ने दिनांक 31.05.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम माननीय रेलमंत्री जी कोलकाता से जुड़ते हुए।
- दिनांक 12.06.2022 को आयोजित "AKAM MEGA SHOW" गांधीनगर में प्रबंध निदेशक रेलटेल एवं निदेशक/एनपीएम।
- दिनांक 30.06.2022 को रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने आई आर एस ई अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी और प्रदर्शनी मे रेलटेल स्टॉल का दौरा किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रेलटेल एवं निदेशक/एनपीएम भी उपस्थित थे।

विषय सूची

1.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	3
2.	संपादक की कलम से...	4
3.	देश को डिजिटल बनाता – रेलटेल	5
	कॉर्पोरेट कार्यालय की गतिविधियाँ	
4.	नववर्ष-2022 का स्वागत समारोह	10
5.	राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन	10
6.	आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रम	11
7.	रेलटेल को वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार	11
8.	महिला सशक्तिकरण के लिए आयोजित गतिविधियाँ	12
9.	श्रीमती अरूणा सिंह, अपर सदस्य (टेलीकॉम), रेलवे बोर्ड ने रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।	14
10.	विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 2022 के अवसर पर रेलटेल कार्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन	14
11.	भारतीय रेलवे पर अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली	17
12.	स्वास्थ्य	19
13.	रेलटेल पूर्वी क्षेत्र गतिविधियाँ	20
14.	योग और स्वास्थ्य	25
15.	रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत की गई पहल	28
16.	रेलटेल द्वारा सामाजिक कॉर्पोरेट सामजिक दायित्व परियोजनाओं और सार्वजनिक वाई-फाई का उद्घाटन	30
17.	रेलटेल उत्तरी क्षेत्र की गतिविधियाँ	32
18.	ऑफिस योग	34
19.	सबूत	36
20.	रेलटेल पश्चिमी क्षेत्र की गतिविधियाँ	38
21.	वाधवा ग्रुप ने वाधवा वाइज सिटी में सेवाओं के लिए रेलटेल कॉर्पोरेशन के साथ साझेदारी की	40
22.	रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड सतर्कता विभाग की उपलब्धियां	41
23.	स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका	43
24.	रेलटेल दक्षिणी क्षेत्र की गतिविधियाँ	46
25.	साइबर सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता	48
26.	रेलटेल राजभाषा की झलकियां	49
27.	योग	51
28.	रेलटेल द्वारा "रेलवायर सतरंग" का शुभारंभ	53
29.	स्वास्थ्य और योग	54
30.	जो भी करें, मन से करें	56
31.	सुंदर सेहत की सर्वोत्तम दवा है योग	57
32.	रहो निरोग करो योग	58
33.	अधिकारियों द्वारा फाइलों पर दी जाने वाली टिप्पणियाँ	59
34.	सीएमडी श्री पुनीत चावला का विदाई समारोह	60
35.	सेवा निवृत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को भावभीनी विदाई (जनवरी से जून 2022)	60

(नोट- पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं, सरकार अथवा रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है)

रेलटेल
RAILTEL

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सुरक्षा संचालन केंद्र

हमारे सुरक्षा संचालन केंद्र सेवा के साथ अपने अमूल्य डेटा को सुरक्षित रखें।

- हमारे विशेष सुरक्षा संचालन केंद्र, गुरुग्राम के माध्यम से केंद्रीयकृत और समेकित साइबर सुरक्षा घटना रोकथाम / सुरक्षा घटना निगरानी सम्बंधित सेवाएं।
- सेवाओं को ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर ऑनसाइट के साथ-साथ ऑफसाइट भी प्रदान किया जा सकता है।

हमारी सेवाएं

नेटवर्क पेरिमीटर सुरक्षा

- डीडोस (DDoS) रोकथाम (आईएसपी क्लीन पाइप सेवा)
- फ़ायरवॉल के साथ इन्ट्रूजन डिटेक्शन/ प्रिवेंशन (IDS/IPS) प्रणाली
- डब्ल्यू ए एफ (वेब एप्लीकेशन फॉयरवाल) दुर्भावनापूर्ण वेब ट्रैफिक से सुरक्षा

एंड पाइंट सुरक्षा

- एंड पाइंट सुरक्षा - एंटिवाइरस सोल्यूशन
- एंड पाइंट डिटेक्शन एंड रेस्पॉन्स (ईडीआर) - सुरक्षा की अतिरिक्त परत
- माइक्रो-सेग्मन्टैशन और क्लाउड वर्कलोड सुरक्षा

ई-मेल सुरक्षा गेटवे

एप्लीकेशन्स के लिए सुरक्षित रिमोट एक्सेस - वर्चुअल प्राईवेट नेटवर्क

कुंजी(Key) प्रबंधन (हार्डवेयर आधारित कुंजी (Key) स्टोरेज)

सुरक्षा, सूचना एवं ईवेंट प्रबंधन (SIEM)

www.railtelindia.com

अरुणा सिंह
भा.रे.सं.अ.से.
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Aruna Singh
IRSSE
Chairman & Managing Director

संदेश

मुझे हार्दिक खुशी हो रही है कि रेलटेल के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार के क्रम में रेलटेल प्रगति राजभाषा पत्रिका का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका का यह अंक "योग, स्वास्थ्य एवं व्यवसाय" विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है। रेलटेल परिवार के लिए यह गर्व का विषय है कि रेलटेल ने अपने व्यापारिक लक्ष्यों के साथ राजभाषा के प्रयोग प्रसार के निर्धारित कार्यों के लक्ष्यों को भी बहुत ही सफलता के साथ प्राप्त किया है।

मुझे ज्ञात हुआ है कि हमारे चंडीगढ़, चेन्नई एवं सिकंदराबाद क्षेत्रीय कार्यालयों का राजभाषा प्रयोग प्रसार संबंधी निरीक्षण संसदीय राजभाषा समिति के माननीय सदस्यों द्वारा किया गया तथा सदस्यों द्वारा हिंदी में कार्य के प्रति संतोष प्रकट किया गया ।

रेलटेल ने विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाया है।

इस अंक में रेलटेल राजभाषा की गतिविधियां, अधिकारियों/कर्मचारियों के लेख, कविताएं एवं अन्य सामग्री के साथ रेलटेल के व्यवसाय से संबंधित जानकारियों को भी प्रकाशित किया गया है। ऐसी पत्रिकाओं के नियमित प्रकाशन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलती है। मैं इस अवसर पर रेलटेल परिवार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देती हूं और आशा करती हूं कि रेलटेल परिवार के सदस्य राजभाषा हिंदी में कार्य कर देश के गौरव को बढायेंगे ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ !

अरुणा सिंह

(अरूणा सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक की कलम से...

रेलटेल प्रगति राजभाषा पत्रिका राजभाषा के प्रयोग एवं प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पत्रिका का यह अंक "योग, स्वास्थ्य एवं व्यवसाय" विशेषांक के रूप में सौंपते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

रेलटेल राजभाषा विभाग द्वारा विगत छः माही के दौरान विभिन्न राजभाषा संबंधी व प्रशासनिक उत्सव एवं गतिविधियां आयोजित की गई। इनमें से 23 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रेलटेल वेबेक्स के माध्यम से "आपके संघर्षों/उपलब्धियों पर चर्चा" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजन, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हिंदी संगोष्ठी एवं काव्य/गजल/देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का वर्चुअल आयोजन किया गया। 10 फरवरी 2022 को रेलटेल की महिला कर्मचारियों को सक्षम ओर सशक्त बनाने के लिए "टैक्स प्लानिंग एंड फाइलिंग इनकम टैक्स रिटर्न" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन, 17 फरवरी 2022 को रेलटेल महिला कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन, 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ हिंदी पत्रिका "अपराजिता" का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेषांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर रेलटेल में कार्यरत महिला अधिकारियों/कर्मचारियों को उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में सम्मिलित सभी महिला कर्मियों को स्मृति चिन्ह दिया गया। 03 जून से 05 जून तक रेलटेल में पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ टेरीटरी में भी वृक्षारोपण किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशकगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को पौधा दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 08 जून 2022 से प्रतिदिन ½ घंटे का निःशुल्क योगाभ्यास कराया गया। योगाभ्यास में कॉर्पोरेट कार्यालय के साथ टीपी के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालयों, टेरीटरी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कॉर्पोरेट एवं क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया। उक्त सभी कार्यक्रमों में रेलटेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बड़े ही उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के माननीय सदस्यों द्वारा चंडीगढ़, चेन्नई एवं सिकंदराबाद क्षेत्रीय कार्यालयों का राजभाषा प्रयोग प्रसार का निरीक्षण किया गया। माननीय सदस्यों द्वारा कार्यालयों में हिंदी में किए जा रहे कार्यों के लिए सराहना की।

रेलटेल प्रगति के इस विशेषांक में रेलटेल की राजभाषा गतिविधियां, लेख, कहानी एवं कविताओं तथा रेलटेल के व्यवसाय से संबंधित लेखों का समावेश किया गया है। आशा है कि यह अंक आपको पसंद आएगा।

पत्रिका को और रूचिकर बनाने के लिए आपके अमूल्य सुझावों का स्वागत है।

शुभकामनाओं के साथ,

रुचिरा चटर्जी

(रुचिरा चटर्जी)
महाप्रबंधक/सतर्कता, प्रशासन
एवं सुरक्षा तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी

देश को डिजिटल बनाता – रेलटेल

विनीत सिंह
कार्यकारी निदेशक/एंटरप्राइज़ बिजनेस

रेलटेल कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड जोकि एक मिनीरत्न श्रेणी 1 सीपीएसयू है और जिसका गठन 26 सिंतबर, 2000 को 500 करोड़ रु की अधिकृत पूंजी के साथ हुआ था। इस समय यह टेलीकॉम पीएसयू के वर्ग में लाभ अर्जित करने वाली कुछेक ऋण-मुक्त कंपनियों में से एक है। रेलटेल का गठन इस उद्देश्य से किया गया था कि एक आंतरिक उद्यम के माध्यम से भारतीय रेल की दूरसंचार प्रणाली का आधुनिकीकरण किया जा सके। रेलटेल के पास भारतीय रेलवे नेटवर्क के साथ 68103 रूट किलोमीटर का मार्गाधिकार (ROW) है।

रेलटेल एक सहस्राब्दी कंपनी से परिपक्व होकर देश के सबसे बड़े सुरक्षित दूरसंचार सेवाप्रदाता में से एक में रूप में विकसित हुआ है. यह भारतीय रेल के लिए गाड़ी परिचालन और प्रशासनिक नेटवर्क सिस्टम के आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण करने में सबसे आगे है। यह राष्ट्रव्यापी ब्रॉडबैंड दूरसंचार एवं मल्टीमीडिया नेटवर्क की सेवाए भी प्रदान कर रहा है।पूरे भारतवर्ष में 61000 रूट कि.मी. से भी अधिक के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का स्वामित्व जिसके अंतर्गत देश के समस्त महत्वपूर्ण शहर और नगर तथा अनेक ग्रामीण क्षेत्र आते हैं। रेलटेल का सबसे बड़ा यू.एस.पी. है। रेलटेल को दूरसंचार विभाग से यूनिफाइड लाइसेंस प्राप्त है तथा यह दूरसंचार विभाग द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर के रूप में भी यह पंजीकृत है।

यद्यपि रेलटेल की शुरुआत एक ऐसे उद्यम के रूप में हुई थी, जिसका काम भारतीय रेलवे की दूरसंचार प्रणाली की सहायता करना था, शीघ्र ही इसका कार्य अनेक क्षेत्रों में फैल गया। कंपनी ने विभिन्न सेवाओं की शुरुआत कर दी जिनमें निजी तथा सरकारी क्लाइंट्स को इंटरनेट बैंडविड्थ उपलब्ध कराना, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा, डेटा सेंटर सर्विसेस, क्लाउड, ई-ऑफिस, वीडियो सर्विलांस सिस्टम, वाई-फाई सर्विसेस तथा कंटेंट ऑन डिमांड इत्यादि सेवाएं शामिल हैं।

डिजिटल हब का सृजन

रेलटेल द्वारा रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है, जिसके लिए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पब्लिक वाई-फाई की व्यवस्था की जा रही है। इससे माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया के स्वप्न तथा माननीय रेल मंत्री के द्वारा रेलवे स्टेशनों को डिजिटल समावेश का मंच बनाए जाने के विजन को पूरा करने में योगदान मिलेगा। इस समय भारतवर्ष के 6100 से अधिक रेलवे स्टेशन रेलटेल के रेलवायर वाई-फाई द्वारा लाइव हैं। यह विश्व के सबसे बड़े और सबसे तीव्र पब्लिक वाई-फाई नेटवर्क में से एक है।

इस सेवा के प्रति मिलने वाली प्रतिक्रिया अभूतपूर्व है, यात्रियों द्वारा इस सुविधा से हाई डेफिनिशन वीडियोज़ की स्ट्रीमिंग, फिल्में, गाने, गेम्स डाउनलोड करने तथा अपने ऑनलाइन ऑफिस कार्य के उपयोग किया जाता है।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन

रेलटेल ने भारतीय रेलवे तथा अन्य सरकारी उपक्रम पर ई-ऑफिस के क्रियान्वयन का कार्य भी कर रहा है ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता लाई जा सके। भारतीय रेल की 236 इकाइयों में, क्रियान्वयन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसमें सभी जोनल रेलवे हेड क्वार्टर, प्रोडक्शन यूनिट, CTI, और भारतीय रेल के 68 डिवीजन शामिल हैं।

वीडियो सर्विलांस सिस्टम

रेलटेल द्वारा 5102 रेलवे स्टेशनों और 14300 प्रीमियम गाड़ियों के सवारी डिब्बों तथा ईएमयू कोचों में आईपी-कैमरा आधारित वीडियो सर्विलांस सिस्टम लगाए जाने का कार्य भी शुरु किया गया है। इसमें पहले चरण में, वीडियो मेनेजमेंट सिस्टम के साथ 300 स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इससे भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रा करने वाले यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा में सुधार की दृष्टि से बहुत लाभ होगा। रेलटेल द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर संबंधित जोनल रेलों द्वारा लगाए गए स्टेंडअलोन वीडियो सर्विलांस सिस्टम के एकीकरण का कार्य भी किया गया है, ताकि मंडलीय और क्षेत्रीय रेल मुख्यालय स्तरों पर वीडियो रिकार्डिंग केंद्रीकृत रूप से देखी जा सके और उसकी मॉनिटरिंग की जा सके।

कंटेंट ऑन डिमांड सेवा

यात्रियों के अनुभव में सुधार व यात्रा के समय यात्रियों के ट्रेन के इंतजार में बैठे रहने के समय का सदुपयोग से और अधिक गैर-किराया राजस्व अर्जित करने के उद्देश्य से, गाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए कंटेंट ऑन डिमांड (CoD) सेवा उपलब्ध कराए जाने का कार्य भी कर रहा है। रेलटेल द्वारा गाड़ियों में इंस्टाल किए गए मीडिया सर्वरों के माध्यम से चलती गाड़ियों में पहले से लोड किए गए बहुभाषिक कंटेंट (फिल्में, म्यूज़िक वीडियो, सामान्य मनोरंजन, जीवन-शैली इत्यादि) उपलब्ध कराए जाएंगे। कंटेंट ऑन डिमांड प्लेटफार्म के द्वारा विभिन्न ई-कॉमर्स/एम-कॉमर्स सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ऑन-बोर्ड कंटेंट ऑन डिमांड सेवा से अपनी रेल यात्रा के दौरान चलती गाड़ियों में अस्थायी मोबाइल डेटा नेटवर्क के बावजूद यात्रीगण अबाधित नि:शुल्क/सब्सक्रिप्शन आधारित मनोरंजन सेवा का आनंद उठा सकेंगे। यात्रीगण सीओडी एप के माध्यम से अपने निजी उपकरणों पर हाई क्वालिटी बफर-फ्री स्ट्रीमिंग का आनंद भी ले सकेंगे। कंटेंट आवधिक तौर पर रिफ्रेश होगा। यात्रियों के निजी उपकरणों पर कंटेंट की हाई क्वालिटी बफर-फ्री स्ट्रीमिंग से रेल यात्रा और भी मनोरंजक बन सकेगी।

भारतीय रेल की सभी मेल/एक्सप्रेस और सभी उपनगरीय गाड़ियों को सीओडी परियोजना के दायरे के अंतर्गत लाया जाएगा। गाड़ियों के साथ-साथ, सीओडी एप सभी वाई-वाई इनेबल्ड स्टेशनों पर भी उपलब्ध होगी। इस परियोजना से होने वाली आमदनी मुख्यतः तीन स्रोतो अर्थात विज्ञापनों पर आधारित मुद्रीकरण, सब्सक्रिप्शन आधारित मुद्रीकरण एवं ई-कॉमर्स/भागीदारी सेवाओं से होगी।

रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क (RDN)

RDN सार्वजनिक जागरूकता संदेशों और मनोरंजन सामग्री के साथ-साथ रेल उपयोगकर्ताओं को प्रासंगिक रूप से समृद्ध और प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने की एक पहल है। यह स्टेशनों में फुटफॉल की वास्तविक विज्ञापन क्षमता को अनलॉक करने के लिए नवीनतम डिजिटल तकनीकों का उपयोग करता है।

अगले 2 वर्षों में भारत भर में 2000 से अधिक रेलवे स्टेशनों (सभी ए 1, ए, बी, सी और डी श्रेणी के स्टेशनों) पर एक केंद्रीय रूप से प्रबंधित रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क सेवा शुरू की जाएगी। इसे रेलटेल द्वारा लागू और प्रबंधित किया जाएगा।

रेलवे स्टेशनों पर डिस्प्ले स्क्रीन सर्कुलेटिंग क्षेत्रों को छोड़कर, स्टेशन भवनों, प्रवेश द्वार, प्लेटफार्म, वेटिंग रूम और फुट-ओवर ब्रिज पर लगाई जाएंगी। सबसे उपयुक्त स्रोतों से विभिन्न यात्री संबंधित जानकारी जैसे ट्रेन चार्टिंग सर्वर, एनटीईएस, पीआरएस आदि के माध्यम से ट्रेन से संबंधित जानकारी प्रदान की जाएगी। RDN राष्ट्रीय महत्व और नागरिक सेवाओं की जानकारी प्रदर्शित करने के लिए ऑडियो, वीडियो या सोशल मीडिया का उपयोग करेगा।

डेटा केंद्र

रेलटेल के दो टीयर-III के डेटा सेंटर सिकंदराबाद और गुरुग्राम में स्थापित हैं जोकि UPTIME, अमेरिका द्वारा प्रमाणित है। रेलटेल द्वारा इन दो आधुनिकतम डेटा सेंटर्स, से डेटा सेंटर

सर्विसेस जैसे कोलोकेशन सर्विसेस, मेनेज्ड सर्विसेस, क्लाउड कंप्यूटिंग, ई-ऑफिस प्रबंधन, आधार प्रमाणीकरण, डेडीकेटिड सोल्यूशन इत्यादि प्रदान की जाती हैं।

रेलटेल की समस्त हॉस्टिंग और को-लोकेशन सर्विसेस को एसएलए का 99.983% का समर्थन मिलता है, जो उद्योग के मानक के अनुसार सर्वश्रेष्ठ है। रेलटेल डेटा सेंटर की यू. एस. पी. विभिन्न स्तरों पर चौबीसों घंटे मल्टी-लेयर वाली फिजिकल सिक्योरिटी, बहुत जल्दी धुंए का पता लगाने वाली प्रणाली, आईपी सीसीटीवी सिस्टम, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, पानी के रिसाव का पता लगाने वाली प्रणाली, रोडेंट रेपेलेंट सिस्टम और भवन प्रबंधन प्रणाली शामिल है। उच्चतम स्तर पर ऊर्जा विश्वसनीयता ऑफर करने के लिए एक एन+एन रेडन्डेंट यूपीएस ग्रिड को फीड करने वाले ऑन-साइट पावर सिस्टम शामिल है। भारतीय रेल के अलावा अनेक ग्राहक डेटा सेंटर सर्विसेस के लिए रेलटेल पर विश्वास करते हैं, इनमें गुड़गांव महानगर विकास प्राधिकरण, सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज़ एंड कस्टम, ईपीएफओ, नेशनल हैल्थ सिस्ट्म्स रिसोर्स सेंटर, तेलंगाना स्टेट टेक्नोलॉजी सर्विसेस, यूटीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी एंड सर्विसेस लिमिटेड इत्यादि शामिल हैं।

रेलटेल के पास इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सत्यापित रेलक्लाउड भी है जिससे रेलटेल कई संगठनो को अपनी सेवाए देता है।

रेलटेल का सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर

एमपीएलएस नेटवर्क की तैनाती के मामले में रेलटेल एक प्रारंभिक पहल की थी। अब इसने सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर (SOC) सेवाओं को लॉन्च करके अपनी सेवाओ में एक और उपलब्धि जोड़ ली है।

वर्तमान ऑनलाइन सिक्युरिटी परिदृश्य को देखते हुए, हर कोई साइबर हमले से आशंकित है। अब मामला यह नहीं है कि यदि हमला हो, बल्कि यह है कि कब हो जाए। रेलटेल पहले ही डाटा सेंटर और संबंधित प्रौद्योगिकियों में निवेश कर चुकी है। हाल ही में शुरु से अंत तक साइबर सुरक्षा साल्यूशन उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस संबंध में, रेलटेल ने गुरुग्राम कार्यालय में एक विश्व स्तरीय सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर (SOC) स्थापित किया है। सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर न केवल मौजूदा अवसंरचना को सुरक्षित करके हमारी क्षमताओं को बढ़ाएगा बल्कि इसके अलावा यह हमें अपने कौशल के उपयोग से अन्य संगठनों को सेवाओं के अवसर भी उपलब्ध कराएगा।

रेलटेल सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर को कुशल संसाधनों के प्रयोग से चौबीसों घंटे ऑनसाइट और ऑफसाइट साइबर सुरक्षा घटना की रोकथाम और सुरक्षा घटना निगरानी सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।

रेलटेल का एक सेवा के रूप में सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर (SOCaaS) डेटा सुरक्षा के लिए बढ़ते खतरे का पता लगाने और प्रतिक्रिया क्षमताओं के साथ कई अत्याधुनिक साइबर सिक्युरिटी साल्यूशन्स का उपयोग करके सक्रिय रूप से सेवा देता है । संपूर्ण एकीकृत सुरक्षा सूचना और इवेंट मैनेजमेंट पोर्टफोलियो रेलटेल के सिक्युरिटी ऑपरेशन सेंटर (SOC) प्रौद्योगिकी स्टैक का आधार है।

रेलटेल के एसओसी द्वारा प्रदान किए गए सुरक्षा समाधान

- निरंतर फ़ाइल और नेटवर्क व्यवहार विश्लेषण के साथ मालवेयर सुरक्षा। यह समाधान वर्कलोड सिक्युरिटी के साथ-साथ एंडप्वाइंट सिक्युरिटी के लिए भी है ।
- एंडप्वाइंट डीटेकशन और प्रतिक्रिया, जो डेटा लॉग की रीयल-टाइम फोरेंसिक जांच के लिए होस्ट लेवल

टेलीमेटरी उपलब्ध कराता है।

- नेटवर्क व्यवहार और ट्रैफिक विश्लेषण जिसका प्रयोग जांच, संकट का संदेश देने और संदिग्ध गतिविधि के बारे में अतिरिक्त संदर्भ का पता लगाने के लिए किया जाता है ।
- फोरेंसिक के लिए पैकेट कैप्चर। उन्नत टूल द्वारा कैप्चर किए गए ट्रैफ़िक का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है।
- मैलवेयर विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक सैंडबॉक्स साल्यूशन्स । सुदृढ़ खोज, पारस्परिक संबंध और रिपोर्टिंग क्षमताएं वर्तमान और ऐतिहासिक मैलवेयर आर्टिफैक्ट्स, संकेतकों और नमूनों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करती हैं।
- भेद्यता मूल्यांकन उपकरण।
- वेब एप्लिकेशन सुरक्षा प्रबंधन और अग्रिम फायरवॉल्स। ओपेन वेब अनुप्रयोग सुरक्षा परियोजना अनुपालन स्कोर ऑन रन।
- वेबअनुप्रयोगभेद्यतामूल्यांकनऑनदीगो।
- ऑटो टिकटिंग टूल।

सभी बहु सुरक्षा समाधान अलार्म और घटनाओं को उत्पन्न करते हैं जिनकी लगातार निगरानी की जाती है।एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवा

रेलटेल अपने ग्राहको कोएंड-टू-एंड, हाई डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सर्विस, जो उपयोगकर्ताओं को एक वर्चुअल, फेस-टू-फेस मीटिंग एक्सपीरिएंस देती है भारतीय रेल द्वारा बैठकों और विभिन्न गतिविधियों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सर्विस अपनाए जाने से पूर्व भारी-भरकम धनराशि, श्रम घंटों का उपयोग किया जा रहा था।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सर्विस अपनाए जाने के बाद बैठकों और विभिन्न गतिविधियों के लिए की जाने वाली यात्राओं की संख्या में बहुत कमी आई है, जिससे श्रम के घंटों, यात्रा और आवासीय खर्चों की बचत हुई है। बैठकों और विभिन्न गतिविधियों के लिए यात्राओं की कमी से कार्बन फुटप्रिंट की मात्रा में महत्वपूर्ण बचत भी हुई है। रेलटेल की टेलीप्रिजेंस सर्विसेस का उपयोग अक्सर भारत के माननीय प्रधान मंत्री, रेल मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के कार्यक्रमों के लिए किया जाता है, जो ऐसे स्थानों के लिए भी उपलब्ध कराई जाती है, जहां अल्प सूचना पर ओबी वैन का पहुंच पाना भी कठिन हो जाता है। ये सेवाएं मासिक सब्सक्रिप्शन आधार पर दी जाती हैं, जिसके लिए ग्राहक को केपेक्स में कोई निवेश नहीं करना पड़ता, जिससे टेक्नोलॉजी के कारण पुरानी पड़ जाने वाली व्यवस्था में निवेश की बारंबार आवश्यकता से बचा जा सकता है।

नॉलेज नेटवर्क एवं नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का सृजन

रेलटेल द्वारा विभिन्न मोर्चो में नॉलेज समाज के सृजन का कार्य भी किया जा रहा है और रेलटेल को दूरसंचार के क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न लक्ष्य आधारित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल देश में नॉलेज नेटवर्क के क्रियान्वयन में एक अग्रणी भागीदार है, जिनमें हाई कैपेसिटी नेटवर्क पर जुड़ने वाले प्रमुख शिक्षा संस्थान/विश्वविद्यालय शामिल हैं। इस परियोजना के तहत रेलटेल द्वारा 753 विश्वविद्यालयों एवं प्रमुख अनुसंधान संस्थानों को जोड़ा जा चुका है। यह भारतनेट (तत्कालीन नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क) के क्रियान्वयन के लिए भी भागीदार का कार्य कर रहा है। इस स्कीम का उद्देश्य बीएसएनएल, रेलटेल और पीजीसीआईएल के मौजूदा ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार करना है, जो जिला/ब्लॉक मुख्यालय स्तर तक उपलब्ध है जिसे ग्राम पंचायत तक पहुँचाना है। इसके लिए दूरसंचार विभाग के यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (USOF) के उपयोग से इंक्रिमेंटल फाइबर बिछाया जाना है। रेलटेल एचआरडी मंत्रालय के तहत 26 केंद्रीय विश्वविद्यालयों को कैंपस वाई-फाई सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

रेलटेल का खुदरा प्रयास

आरंभ में, रेलटेल केवल एक बी2बी कंपनी थी। किंतु अब इसने बी2सी मार्केट में प्रवेश किया है ताकि यह अपने ग्राहकों

को अपनी रिटेल ब्रॉडबैंड सर्विस –"रेलवायर" सेवा उपलब्ध करवा सके। रेलवायर एक ब्रॉडबैंड डिलीवरी प्लेटफार्म है जिसमें स्थानीय केबल ऑपरेटरों और ब्रॉडबैंड कंटेंट प्रोवाइडर्स की भागीदारी भी रहती है। रेलवायर को एक ओपन सोर्स कंटेंट डिलीवरी प्लेटफार्म के रूप में सृजित किया गया है ताकि केबल ऑपरेटर के इन्फ्रास्ट्रक्चर के उपयोग से रिटेल ग्राहकों को विभिन्न सेवाओं जैसे ब्रॉडबैंड इंटरनेट, आईपी टेलीफोनी, ई-हैल्थ केयर, ई-एजुकेशन और कंटेंट के माध्यम से दी जाने वाली अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। पूरे देश में अब रेलवायर वाई-फाई के 4.6 लाख से भी अधिक ग्राहक हैं और यह संख्या केवल बढ़ ही रही है।

स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क

रेलटेल द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (SWAN) तैयार करने तथा उसके रख रखाव में भी सहायता दी जा रही है। हरियाणा में रेलटेल द्वारा संपूर्ण स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का रखरखाव किया जा रहा है और जहां आवश्यक है इसे अपग्रेड किया जा रहा है। केरल में रेलटेल आधुनिक उपकरणों के साथ स्टेट वाइड नेटवर्क को अपग्रेड कर रहा है तथा फेसेलिटी मेनेजमेंट सर्विसेस की भी व्यवस्था कर रहा है। राजस्थान में भी रेलटेल द्वारा 7000 ग्राम पंचायतों तथा कार्यालय स्थलों में रेडियो लिंक पर रेडियो टॉवर खड़े करके कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जा रही है। रेलटेल ओड़ीशा मे भी स्टेटवाइड नेटवर्क को भी आधुनिक उपकरणों के साथ अपग्रेड कर रहा है

सिगनलिंग प्रणाली का आधुनिकीकरण

रेलटेल द्वारा भारतीय रेल के 26 स्टेशनों पर पुराने यांत्रिक सिगनल उपकरणों को आधुनिकतम इंटरलॉकिंग सिस्टम से बदले जाने का कार्य सौंपा गया है। विद्यमान यांत्रिक सिगनलिंग सिस्टम में सिगनल को लोअर करने और रेलपथ को बदलने जैसे दोनों कार्यों के लिए लीवर फ्रेम का उपयोग किया जाता है। नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से अब माउस के सिर्फ एक क्लिक के द्वारा सिगनल को लोअर और रेलपथ को बदलने का कार्य किया जा सकता है और इससे

संरक्षा में भी वृद्धि होगी तथा गाड़ी संचालन की दक्षता में भी सुधार होगा। कुल 26 स्टेशनों से 3 स्टेशन दिल्ली मंडल, 9 स्टेशन अंबाला मंडल और 14 स्टेशन फ़िरोज़पुर मण्डल के अधीन है। जिनमें से 10 स्टेशनों पर कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

अन्य सेक्टर्स के लिए सेवाएं

रेलटेल अन्य क्षेत्रों को भी सेवाएं प्रदान कर रहा है। हम कोल इंडिया और इसके सहायक जैसे ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड को एमपीएलएस कनेक्टिविटी, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा, वाई-फाई सेवा और डाटा सेंटर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं रेलटेल बैंकों जैसे एसबीआई, सीबीआई, केनरा बैंक, देना बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि को 2/4 /10/20 एमबीपीएस एमपीएलएस सेवाएँ भी प्रदान कर रहे हैं रेलटेल रक्षा क्षेत्र और अन्य सुरक्षा संगठनों को सीसीटीवी और एमपीएलएस कनेक्टिविटी की सेवाएं भी प्रदान कर रहाहै। रेलटेल आईआरसीटीसी, सीडब्ल्यूसी, राइट्स एनएचआरसीएल जैसे पीएसयू को एमपीएलएस कनेक्टिविटी, डेटा सेंटर और डेटा रिकवरी सेवाएं, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाएं, ई-ऑफिस कार्यान्वयन जैसी सेवाएं भी प्रदान कर रहा है।

रेलटेल से उसके ग्राहको और निवेशको को बहुत आशाए व उम्मीदें हैं और टीम रेलटेल देश की सर्वाधिक भरोसेमंद आईटी और आईसीटी सोल्यूशन प्रोवाइडर बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

नववर्ष-2022 का स्वागत समारोह

1 जनवरी 2022 को नववर्ष के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला एवं निदेशकगणों ने रेलटेल परिवार को शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने रेलटेल में अभी तक की उपलब्धियों और आगामी लक्ष्यों के लिए रेलटेलकर्मियों को संबोधित किया।

नववर्ष 2022 के शुभ आगमन पर संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

23 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रेलटेल ने वेबेक्स के माध्यम से "आपके संघर्षों/उपलब्धियों पर चर्चा" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में रेलटेल (पैन-इंडिया) की महिला कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रम

आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान 25 जनवरी 2022 को भारत के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर वर्चुअल रूप से "कविता/गजल/शायरी/देश भक्ति गीत" का पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉर्पोरेट कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालयों से 25 कार्यपालकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

रेलटेल को वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार

9 फरवरी 2022 को रेलटेल ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम लिमिटेड में वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय रिर्पोटिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई (ICAI) से पुरस्कार प्राप्त करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला।

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

-पंडित मदन मोहन मालवीय

महिला सशक्तिकरण के लिए आयोजित गतिविधियाँ

रेलटेल में आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में दिनांक 10 फरवरी 2022 को महिला सशक्तिकरण के लिए 'कर योजना और आयकर रिटर्न दाखिल करना' और म्यूचल फण्ड निवेश के आधार पर एक सत्र का आयोजन रेलटेल की सभी महिला कर्मचारियों को बचत और निवेश के बारे में सक्षम और आत्मविश्वासी बनाने के लिए किया गया ।

उपरोक्त गतिविधि की निरंतरता में, 17 फरवरी 2022 को सवाईकल कैंसर पर एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें डॉ आशा शर्मा, सीनियर कंसल्टेंएट, आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरूग्राम ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने उपस्थित महिला कर्मचारियों को संबोधित किया एवं प्रशासन टीम की सराहना की।

दिनांक 8 मार्च 2022 को रेलटेल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला ने रेलटेल के महिला विशेषांक हिंदी न्यूजलेटर 'अपराजिता" का विमोचन किया तत्पश्चात महिला कर्मियों को संबोधित किया । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष पुरुस्कार समारोह में रेलटेल की महिला अचीवर्स को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।

08 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ. नीतू जैन, एसोसियट प्रोफेसर (संगठन और व्यवहार विज्ञान क्षेत्र), चेयर-इंचार्ज डॉ अंबेडकर चेयर इन सोशल जस्टिस इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रैशन के साथ एक अंत दृष्टि अवलोकन सत्र का आयोजन किया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला ने मुख्य व्यक्ता डॉ. नीतू जैन को पौधा भेंट कर स्वागत किया। क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत महिला कर्मियों ने टी.पी. के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की।

महिला दिवस विशेषांक का विमोचन करते हुए
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संबोधित करते हुए
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

मुख्य वक्ता डॉ. नीतू जैन को पौधा भेंट करते हुए
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला अधिकारी एवं कर्मचारी

श्रीमती अरूणा सिंह, अपर सदस्य (टेलीकॉम), रेलवे बोर्ड ने रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 11 मई 2022 को श्रीमती अरूणा सिंह, अपर सदस्य (टेलीकॉम) रेलवे बोर्ड ने रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री संजय कुमार, निदेशक/एनपीएम, रेलटेल ने श्रीमती अरूणा सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक /रेलटेल का पौधा पॉट देकर स्वागत किया।

श्रीमती अरूणा सिंह ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कॉर्पोरेट कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों को संबोधित किया। उन्हों ने कहा कि रेलटेल वास्तव में व्यवसाय के लिहाज से अच्छा कार्य कर रही है और मुझे विश्वास है कि यह टीम "ग्राहक पहले" दृष्टिकोण के साथ गति को जारी रखने में सक्षम होगी । हमारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी और परियोजनाओं का निष्पादन भारत के प्रमुख दूर संचार/आईसीटी खिलाडियों के बीच आरसीआईएल के ब्रांड नाम को मजबूत करेगा ।आरसीआईएल देश में हो रहे डिजिटल बदलाव में सबसे आगे रहेगा ।

दिनांक 11 मई 2022 को श्रीमती अरूणा सिंह, अपर सदस्य (टेलीकॉम) रेलवे बोर्ड ने रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने पर स्वागत करते हुए निदेशक/एनपीएम श्री संजय कुमार

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 2022 के अवसर पर रेलटेल कार्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन

कॉर्पोरेट एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में 05जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 25 मई 2022 से 05 जून 2022 तक पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस 2022 की थीम है (Invest in our planet (हमारे ग्रह में निवेश करें) यह थीम हमें हमारे स्वास्थ्य हमारे परिवारों, हमारी आजीविका की रक्षा करने के लिए एकजुट होकर इस ग्रह में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्यूंकि हरा-भरा भविष्य एक समृद्ध भविष्य है। इस अवसर पर रेलटेल परिवार द्वारा निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिनांक 25 मई 2022 को स्लोगन लेखन एवं लोगो की ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के 79 कर्मियों ने सहभागिता की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्सव श्रंखला के

एक भाग के रूप में दिनांक 31 मई 2022 को रेलटेल के सभी कर्मिकों के लिए श्री बी के पीयूष, निदेशक, ब्रहमा कुमार संस्थान द्वारा "प्रकृति के साथ सदभाव में रहना" विषय पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।

कॉर्पोरेट कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को पौधा देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा दिनांक03 जून 2022 को रेलटेल परिसर गुडगांव में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरुणासिंह एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तथा अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों में भी अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

रेलटेल की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरुणा सिंह वृक्षारोपण करती हुई

विश्व पर्यावरण के अवसर पर उपस्थित महिला अधिकारी एवं कर्मचारी

योग दिवस पर उपस्थित रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

योगाभ्यास करते हुए रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

योगाभ्यास करते हुए रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

योगाभ्यास करवाते हुए योगाचार्य श्री देवेन्द्र गुप्ता

योगाभ्यास करती हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह एवं अन्य

योग दिवस के अवसर पर संबोधित करती हुई रेलटेल की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह साथ में हैं योगाचार्य श्री देवेन्द्र गुप्ता

योग दिवस पर योग के बारे में जानकारी देती हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह

भारतीय रेलवे में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली

नवेद तालिब
महाप्रबंधक/यांत्रिक, रेलटेल

भारतीय रेलवे ने अस्पताल प्रबंधन को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से कार्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अक्टूबर 2020 में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के कार्यान्वयन के लिए रेलटेल को सौंपा। एचएमआईएस बेहतर अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य देखभाल के मूल उद्देश्य के साथ एक एकीकृत नैदानिक सूचना प्रणाली है।

वर्तमान में, यह प्रणाली भारतीय रेलवे के सभी 700+ अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों पर काम कर रही है। एचएमआईएस के लगभग 20 मॉड्यूल पूरी तरह कार्यात्मक हैं, जिसमें पंजीकरण, कतार प्रबंधन, ओपीडी, आईपीडी, ओटी, ब्लड बैंक, लैब सूचना प्रणाली, फार्मेसी, केजुअलिटी, सिक-फिट, रेफरल और इलेक्ट्रॉनिक मेडीकल रिकॉर्ड जैसे सभी मुख्य नैदानिक मॉड्यूल शामिल हैं। एचएमआईएस सोल्यूशन क्लाउड पर बनाया और तैनात किया गया है और यह प्लेटफॉर्म कर्मचारियों की विशिष्ट मेडिकल आईडी से जुड़ा है, जिसके लिए भारतीय रेलवे द्वारा नियमित कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और परिवार के सदस्यों को लगभग 43 लाख यूएमआईडी (UMID) कार्ड जारी किए गए हैं। एचएमआईएस के लिए डैशबोर्ड भी विकसित किया गया है।

भारतीय रेलवे के लिए कोविड डैशबोर्ड को एक्सेसकोड के माध्यम से प्रतिबंधित एक्सेस के साथ डैशबोर्ड से कोविड रोगी के परिवार के सदस्यों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति जानने के लिए सुविधा प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। डॉक्टर या डैशबोर्ड उपयोगकर्ता समय-समय पर रोगी की स्थिति को अपडेट कर सकते हैं। डैशबोर्ड डॉक्टरों और प्रशासकों को भर्ती किए गए मामलों, डिस्चार्ज किए गए मामलों, सक्रिय मामलों, गंभीर मामलों आदि के बारे में उपयोगी रिपोर्टभी प्रदान करता है।

एच एम आई एस वास्तुकला

एच एम आई एस समाधान (सोल्यूशन) वास्तुकला में व्यापक रूप से आधारित है और एक छत के नीचे लैब्स, मेडिसिन स्टोर इकाइयों, ब्लडबैंक इत्यादि जैसी संबद्ध सुविधाओं सहित सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों के एकीकरण के साथ एकल उदाहरण के तहत बहु-अस्पताल सेटअप की सुविधा प्रदान करता है।

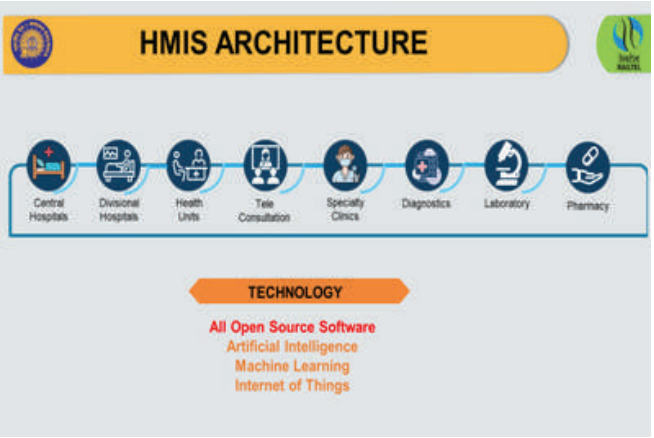

एचएमआईएस का कार्यात्मक विस्तार

- एचएमआईएस समाधान अब रेलवे अस्पतालों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार अस्पताल नैदानिक और प्रशासनिक प्रणाली को संपूर्ण विस्तार के साथ कवर कर रहा है।

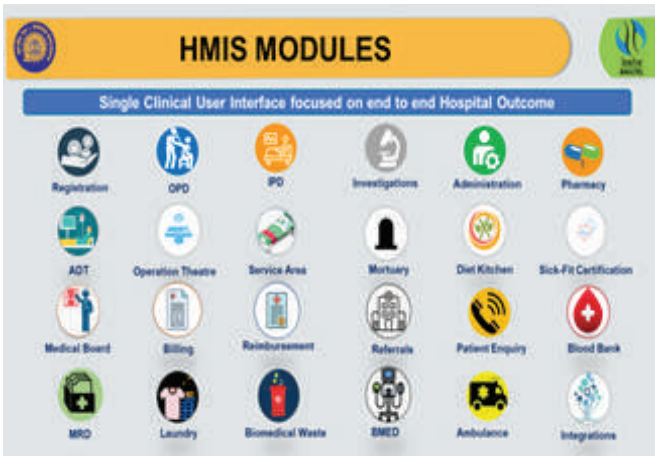

- यद्यपि मूल योजना का हिस्सा नहीं था, कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान मोबाइल ऐप और वेब प्रक्रिया के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन प्रक्रिया शुरू की गई थी और अब इसे पूरी तरह से एचएमआईएस के साथ एकीकृत कर दिया गया है और मई 2021 से ऑनबोर्ड अस्पतालों द्वारा उपयोग किया जा रहा है।

- मरीजों उनके ओपीडी पंजीकरण, डॉक्टर के नुस्खे, लैब रिपोर्ट, स्व-पंजीकरण आदि से संबंधित जानकारी सुनिश्चित करने के लिए एचएमआईएस रोगी मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ एकीकरण (ABDM)

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), भारत सरकार की एक प्रमुख स्वास्थ्य देख-भाल योजनाहै जिसके अंतर्गत सभी हितधारकों को एक ही डिजिटल ईको सीस्टम में लाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव लाने की आशा है। जनवरी 2022 में, भारतीय रेलवे एबीडीएम के साथ रेलवे एचएमआईएस समाधान के एकीकरण के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ मील के पत्थर की तरह से पालन करने वाला पहला संगठन में से एक बन गया।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं-

- प्रत्येक नागरिक के लिए एक यूनिक स्वास्थ्य आईडी बनाना जो पूरे भारत में मान्य है।
- किसी भी अस्पताल से सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को स्वास्थ्य आईडी से जोड़ने की सुविधा के लिए और एक ही ऐप में देखना ।
- एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल सूचना के लिए सभी हितधारकों के लिए साझा डिजिटल मंच तैयार करना।
- सहमति प्रबंधन के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वास्थ्य रिकार्डस के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना।

इस एकीकरण से लगभग 75 लाख रेलवे कर्मचारियों और रेलवे पेंशनभोगियों और उनके परिवार के सदस्यों को आयुष्मान डिजिटल मिशन के साथ सूचीबद्ध अन्य अस्पतालों की स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक पहुंचने में लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के माध्यम से आम जनता को भी सहज डिजिटल तरीके से लाभ होगा। यदि रेलवे के मरीज रेलवे स्वास्थ्य प्रणाली से बाहर विशेष उपचार के लिए आयुष्मान डिजीटल मिशन के साथ पैनलबद्ध कुछ अन्य अस्पतालों में जा रहे हैं, तो पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रूप से, तेजी से और निर्बाध रूप से रोगियों के लिए चीजों को आसान और कुशल बनाने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

उन्नत मॉड्यूल

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली के एकीकरण के साथ, और प्रयोगशाला उपकरणों के पूर्ण एकीकरण के साथ, नमूने स्वचालित रूप से सिस्टम द्वारा पढ़े जा सकते हैं और रिपोर्ट भी स्वचालित रूप से बनाई (जनरेट) जा सकती हैं।

इसके साथ, उपयोगकर्ता कम समय में प्रयोगशाला पहुंच कर रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं जो कि विशेष रूप से रिपोर्ट एकत्र करने के लिए अस्पतालों में आने के बजाय मोबाइल ऐप से सीधे डाउनलोड की जा सकती हैं। फार्मासिस्ट

डॉक्टरों द्वारा निर्धारित दवाओं को ऑनलाइन देख सकते हैं और उसी के अनुसार मरीजों को दवाएं दे सकते हैं। गैर-उपलब्ध दवाओं को एचएमआईएस के माध्यम से स्थानीय खरीद के लिए ऑनलाइन भी संसोधित किया जा सकता है। आईपीडी मॉड्यूल लागू किया गया है जिसके माध्यम से रोगियों को न केवल भर्ती और छुट्टी दी जा सकती है, बल्कि दवाओं, प्रक्रियाओं आदि की पूरी नैदानिक प्रक्रियाओं को भी ऑनलाइन डिस्चार्ज सारांश के निर्माण सहित प्रशासित किया जा सकता है। निर्बाध प्रशासनिक प्रबंधन के लिए सिस्टम में रेफरल प्रबंधन, ब्लड बैंक, ऑपरेशन थिएटर, डाइट-किचन और सिक-फिट प्रमाणन से संबंधित प्रक्रियाओं को भी सक्षम किया गया है।

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के लाभ

पूरे भारतीय रेल में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली एचएमआईएस को पूर्ण रूप से अपनाने के साथ, स्वास्थ्य का प्रशासनिक परिदृश्य डिजिटलीकरण के वास्तविक लाभों को प्राप्त करते हुए जबरदस्त परिवर्तनआएगा।

विभिन्न स्वास्थ्य खतरों के लिए पहले से तैयार रहने के लिए पूर्वानुमानित डेटा विश्लेषण निर्णय पर आधारित होंगे।

रेलटेल ने ई-ऑफिस, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और वीडियो निगरानी प्रणाली आदि जैसी प्रमुख पहलों को लागू करके भारतीय रेलवे के डिजिटल परिवर्तन में एक उत्प्रेरक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) का कार्यान्वयन इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है जिसका 75 लाख से अधिक रेलकर्मियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवारों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

स्वास्थ्य

रितु चौधरी
कार्यालय कार्यकारी/प्रशासन

स्वास्थ्य है जीवन मे
सबसे अमूल्य धरोहर
ध्यान रखना जरूरी
जिदगी ना बन जाये मजबूरी।
रखिये हमेशा इसका ध्यान
परिवार का होगा कल्याण।
कोई भी हो कितना विद्वान
इसके बिना ना हो सके महान।।

जीवन मे वह खुशहाल रहा
अच्छे स्वास्थ्य बिना जीवन बेकार है
स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है
जीवन के लिए अनमोल है
अच्छा स्वास्थ्य अनमोल है

हो स्वास्थ्य तन और स्वास्थ्य मन
रहे जागरूक जन-जन
स्वास्थ्य है सबका अधिकार
मिले सभी को यह उपहार
दूध, दही अब खायें हम
व्याधि दूर भगायें हम
मिलकर गीत ये गायें हम
स्वस्थ तन और स्वस्थ मन।

रेलटेल पूर्वी क्षेत्र गतिविधियाँ

वीडियो निगरानी प्रणाली परियोजना

यह वीएसएस (सीसीटीवी) परियोजना विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। रेलटेल निम्नलिखित स्टेशनों पर वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) लागू करने जा रहा है। रेलटेल आईटी से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराएगा जबकि सिविल और इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर रेलवे द्वारा मुहैया कराया जाएगा। रेलटेल के पास निगरानी नेटवर्क का प्रबंधन और निगरानी करने के लिए एनओसी होगा और वे पूर्वी क्षेत्रों में सभी स्टेशनों और उनके अधिकार क्षेत्र के लिए 1 एनएमएस विकसित करेंगे। प्रत्येक मंडल मुख्यालय और क्षेत्रीय मुख्यालयों को उनके संबंधित नियंत्रण कक्ष में निगरानी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरों से वीडियो फीड की रिकॉर्डिंग को प्लेबैक, पोस्ट इवेंट विश्लेषण और जांच उद्देश्यों के लिए 30 दिनों के लिए निकटतम रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) थाने/पोस्ट में संग्रहीत किया जाएगा। अतिरिक्त 10% स्टोरेज (रेलवे की आवश्यकता के अनुसार) का उपयोग करके डेटा सेंटर (240TB स्टोरेज का उपयोग करके) और रेलवे सुरक्षा बलथाना/पोस्ट पर लंबी अवधि के लिए महत्वपूर्ण वीडियो संग्रहीत किए जाने हैं।

742 स्टेशनों पर वीएसएस स्थापित करने के लिए सभी 04 क्षेत्रों के लिए एलओए पहले ही जारी किया जा चुका है। कार्य के अंतर्गत में "निर्भयाफंड से भारतीय रेलवे की ओर से रेलवे स्टेशनों पर आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशन, मौजूदा वीएसएस इन्फ्रा के साथ एकीकरण, आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) का संचालन और रखरखाव" शामिल है।

परियोजना लागत एवं समयसीमा (पूर्वी क्षेत्र के लिए)
मेसर्स एम2एम साईबरनेटिक्स प्राइवेट लि. को 123.67 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) का एलओए दिया गया और इस परियोजना की प्रारंभिक समय सीमा 06 महीने है। इस कार्य में पहले से 300 स्टेशनों का आवर्धन (अगमेंटेशन) के साथ कैमरे की संख्या, भंडारण क्षमता, चेहरा पहचान सॉफ्टवेयर, वीडियो विश्लेषणात्मक सॉफ्टवेयर, पैनिक बटन और यात्री सुरक्षा से संबंधित अन्य प्रमुख विशेषताएं शामिल है। यह

पैन इंडिया आधार					
क्रसं		वीएसएस किए गए: चरण 1ए एवं चरण 1 बी		चरण-II में वीएसएस किए जाने हैं	
	आरसीआईएल क्षेत्र	चरण-I में कार्यान्वित किए गए वीएसएसनिर्भयास्टेशन (ए,बीएवं सी केटेगरी	डी एंड ई श्रेणी में वीएसएस किया गया।	चरण-II निर्भया(एलओए) जारी किया गया ।	डीएंडई (एलओए शीघ्र जारीकिया जाना है।
1	उत्तरी	105	6	151	1633
2	पूर्वी	61	0	293	807
3	पश्चिमी	58	0	180	1002
4	दक्षिणी	76	0	118	890
	कुल योग	300	6	742	4332

प्रणाली आरडीएसओ विशिष्टता आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/65/2021 संस्करण 6.0 या नवीनतम का अनुपालन करेगी। इस वीडियो निगरानी प्रणाली परियोजना का मुख्य उद्देश्य आईपी कैमरा, वीडियो निगरानी प्रणाली, चेहरे की पहचान और वीडियो विश्लेषणात्मक सॉफ्टवेयर के माध्यम से आरपीएफ थाना और अन्य स्थानों पर विभिन्न मंडलों में कई रेलवे स्टेशनों की निगरानी और प्रबंधन के लिए आईपी आधारित वीडियो निगरानी समाधान को लागू करना है। तत्काल प्रतिक्रिया के लिए आईपी निगरानी कैमरों के माध्यम से स्टेशनों की निगरानी के लिए आरपीएफ उपयोगकर्ताओं के पास एक सुरक्षित क्लाइंट (एक पीसी वर्कस्टेशन और दो नंबर 55" एलएफडी) होगा। मंडल मुख्यालय और क्षेत्रीय मुख्यालय में आरपीएफ उपयोगकर्ताओं के पास उच्च अधिकारियों द्वारा निगरानी के लिए एक सुरक्षित ग्राहक भी होगा।

स्टेशनों पर लगाए जाने वाले कैमरों की संख्या की सांकेतिक सूची:

क्र सं.	केमरे का प्रकार	ए-1 केटेगरी स्टेशन	ए केटेगरी स्टेशन	बीकेटेगरी स्टेशन	सी केटेगरी स्टेशन	डी एंड ई केटेगरी स्टेशन
1	गुंबद	7	6	5	2	0
2	पीटीजेड	9	6	4	3	1
3	फिक्स्डबुलेट	68	42	25	17	9
4	4के यूएचडीबुलेट	8	6	4	4	0
	कुल	92	60	38	26	10

कार्य का क्षेत्र 293 रेलवे स्टेशनों पर रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्वी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 06 रेलवे जोन (ईआर, एसईआर, ईसीआर, ईसीओआर, एसईसीआर और एनएफआर) हैं। 96 लोकेशनों पर सर्वर लगाया जाएगा। प्रत्येक स्टेशन में मजबूत, सुरक्षित और स्केलेबल नेटवर्क आर्किटेक्चर होगा जो 04 प्रकार के आईपी कैमरों के साथ रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों, प्रतीक्षा हॉल, टिकट काउंटर, प्रवेश, निकास, जलपान क्षेत्र और फुट ओवरब्रिज, पार्किंग क्षेत्र (डोम टाइप, पीटीजेड टाइप, फिक्स्डबुलेट और 4के यूएचडी) आदि को कवर करेगा।

रेलवे और रेलटेल अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण के बाद कैमरा को लगाने के लिए अंतिम रूप दिया जाएगा।

क्र.सं.	रेलवे	ए-1 केटेगरी (केमरों की संख्या: 92)	ए केटेगरी (केमरों की संख्या:60	बीकेटेगरी (केमरों की संख्या: 38)	सी केटेगरी (केमरों की संख्या:26)
1	ईआर	1	7	10	215
2	एसईसीआर	0	1	2	0
3	एसईआर	0	3	0	0
4	ईसीआर	0	9	18	0
5	ईसीओआर	0	9	6	0
6	एनएफआर	0	10	2	0
	कुलयोग	1	39	38	215

इस प्रणाली की सुरक्षा विशेषताएं

आरडीएसओ संस्करण 6.0के अनुसार, लागू की गई प्रणाली वीडियो एनालिटिक और चेहरा पहचान जैसे कुछ सॉफ्टवेयर आधारित एप्लिकेशन के साथ किसी भी घटना और घटनाओं से निपटने के लिए बेहतर तैयारी के साथ स्थितियों / घटनाओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने, तेजी से निर्णय लेने में सहायता करने के लिए उपकरण के रूप में कार्य करेगी।

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में सक्षम एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर में एक निश्चित अलार्म और ऑपरेटर के अंत में पीओपीअप दृश्य के साथ निम्नलिखित विशेषताएं हैं।

  (i) घुसपैठ का पता लगाना (रेलवे संचालन क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले लोग)

  (ii) कैमरा से छेड़छाड़

  (iii) आवारागर्दी का पता लगाना

  (iv) मानव और वाहन का पता लगाना ।

  (v) विशेषता के आधार पर मनुष्यों की खोज करना ।

  (vi) रंग की खोज

  (vii) गिरा हुआ व्यक्ति

  (viii) संयोजन खोज (मानव/वाहन और रंग)

- एफआरएस:
- वीएसएस (सीसीटीवी) सिस्टम लाइव सीसीटीवी वीडियो फीड से चेहरे की छवियों को कैप्चर करेगा और ब्लैक लिस्ट मैच पाए जाने पर अलर्ट जारी करेगा। एफआरएस अलर्ट को वीडियो प्रबंधन प्रणाली/एनवीआर (वीडियो प्रबंधन प्रणाली/एनवीआर के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत) पर दबाना चाहिए।
- वीएमएस सॉफ्टवेयर प्रस्तावित आईपी कैमरों के लिए अलार्म इनपुट मॉनिटरिंग और आउटपुट एक्टिवेशन को सपोर्ट करेगा। वीएमएस में मोबाइल फोन में क्लाइंट की सुविधा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में अधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकृत मोबाइल फोन से स्थानीय वीएमएस सर्वर पर वीडियो और स्नैपशॉट अपलोड कर सकें, जिसमें स्थान की पहचान शामिल होनी चाहिए। केंद्रीयकृत स्थान पर यदि आवश्यक हो ऑपरेटर के पास स्टेशनों से इन अलार्म और प्लेबैक वीडियो देखने की क्षमता होगी। केंद्रीयकृत स्थान पर ऑपरेटर चयनित रेलवे सुरक्षा बल/थाने और संबंधित सुरक्षा अधिकारी के पंजीकृत मोबाइल फोन पर अलार्म को पुश करने में सक्षम होगा।
- **पैनिक बटन:** प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर दो की संख्या में पैनिक बटन लगाए जाने हैं। संकट में किसी भी व्यक्ति द्वारा पैनिक बटन सक्रिय होने के बाद, ऑपरेटर वर्क स्टेशन पर संबंधित कैमरे के पॉप-अप के साथ वीएमएस पर एक अलार्म दिखाई देगा। यदि संबद्ध कैमरा पीटीजेड प्रकार का है, तो कैमरा हिल जाएगा और पैनिक बटन पर ज़ूम करके व्यक्ति को संकट में देखेगा।

आईटी संचालन के प्रभावी संचालन और प्रबंधन के लिए, वीएसएस उपकरण (कैमरा, स्विच, सर्वर/वर्क स्टेशन, स्टोरेज, पीसी वर्क स्टेशन और यूपीएस आदि) की निगरानी के लिए एक उद्योग मानक एंटरप्राईजेज प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) का प्रावधान किया गया है।

ईएमएस के कुछ महत्वपूर्ण पहलू इस प्रकार हैं:

- केंद्रीयकृत और एकीकृत डैश बोर्ड दृश्य
- केंद्रीयकृत और अनुकूलन योग्य सर्विस लेबल रिपोर्टिंग
- सर्वर/वर्क स्टेशन परिवर्तन, प्रावधान और विन्यास
- नेटवर्क ऑटोमेशन
- सेवा प्रबंधन (हेल्प डेस्क) और एसएलए प्रबंधन
- केंद्रीयकृत आईटी परिसंपत्ति इनवेंटरी डिस्कवरी और ट्रैकिंग
- सर्वर/व स्टेशन मॉनिटरिंग
- नेटवर्क दोष और प्रदर्शन प्रबंधन
- दंड की निगरानी और प्रबंधन

डी एंड ई केटेगरी स्टेशनों पर वी एस एस

इसके साथ ही निर्भया स्टेशनों (ए,बी,सी श्रेणी) में वीएसएस लागू होने के साथ ही डी एंड ई केटेगरी के स्टेशनों पर कैमरा लगाने का काम भी जारी रहेगा। इस कार्य के लिए अलग से एलओए जारी किया जाएगा। कैमरे की सभी वीडियो रिकॉर्डिंग (प्रति स्टेशन 10 कैमरा, 01 पीटीजेड और 09 बुलेट कैमरा) निकटतम सर्वर (स्टेशन) पर संग्रहीत की जाएगी और रेलवे सुरक्षाबल के संबंधित नियंत्रक थाने से निगरानी की जाएगी।

ऑडिशा स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (ओसवान)

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने पुराने और खराब होने वाले उपकरणों के प्रतिस्थापन के साथ, द्वितीयक बैंडविड्थ का प्रावधान, और पांच साल के OSWAN के रखरखाव के साथअत्याधुनिक एसडीडब्ल्यूएएन प्रौद्योगिकी (सॉफ्टवेयर डिफाइंड वाइडएरिया नेटवर्क) का उपयोग करके उनके मौजूदा ओएसवान (ओडिशा स्टेट वाइडएरिया नेटवर्क) के उन्नयन के लिए ओडिशा सरकार से 122.08 करोड़ रुपये का एक बड़ा कार्य आदेश प्राप्त किया है। OSWAN का उद्देश्य भुवनेश्वर में राज्य मुख्यालय (SHQ) के सरकारी कार्यालयों, सभी जिला मुख्यालयों (DHQ), सभी ब्लॉक मुख्यालयों (BHQ) को जोड़ना है। इस नेटवर्क में कुल 345 कार्यालय हैं जिनमें 314 ब्लॉक मुख्यालय और 30 जिला मुख्यालय और राज्य मुख्यालय एक दूसरे के साथ कुशल जी2जी कामकाज के लिए हैं। परियोजना ने सरकारी निकायों के सुचारू कामकाज के लिए सुरक्षित और उच्च गति कनेक्टिविटी प्रदान करने वाला एक क्लोज्डयूजर ग्रुप नेटवर्क बनाया है।

टी-पास (माननीय प्रधान मंत्री समारोह -31.05.2022)

रेलटेल पूर्वी क्षेत्र ने 31.05.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस अवसर पर माननीय रेल मंत्री भी कोलकाता में उपस्थित थे। यह विशेष महत्व का है क्योंकि यह पहली बार एक दिन में 33 स्थानों पर आयोजित किया गया था और कार्यक्रम का विवरण कार्यक्रम से तुरंत पहले साझा किया गया था और यह केवल सभी हितधारकों के समर्पण और सक्रियता के कारण संभव हो पाया है।

सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड, रांची (झारखंड) के लिए एमपीएलएस वीपीएन नेटवर्क की परियोजना।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड, रांची (झारखंड) के सभी कमांड क्षेत्रों में एमपीएलएस वीपीएन नेटवर्क बनाने के लिए आदेश प्राप्त हुआ था। आदेश के अनुसार इसका मूल्य 153Cr ,5 साल के लिए 447 नोड्स का है। इसे दिनांक 31.01.2022 को, 10 महीने की समयावधि में कमीशन किया गया है, और स्थापित नेटवर्क ठीक से काम कर रहा है।

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय एवं टेरिटरी में आयोजित योग दिवस तथा विश्व पर्यावरण दिवस की झलकियां

क्षेत्रीय कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय

अगरतला

गुवाहाटी

भुवनेश्वर

कोलकाता

पटना

रांची

रायपुर

कोलकाता

न्यू जलपाईगुड़ी

योग और स्वास्थ्य

रुचिरा चटर्जी
मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महाप्रबंधक/ सतर्कता, प्रशासन एवं सुरक्षा

योग शब्द संस्कृत के युज शब्द से बना है जिसका अर्थ है जुड़ना या बांधना। इसका सबसे सरल अर्थ उच्च आत्मा के साथ या प्रकृति के साथ या स्वयं के साथ एकता है। इस लेख में, मैं संक्षेप में पतंजलि के अष्टांग योग के 8 अंगों के बारे में बताऊंगी। इसके बाद योग के हमारे जीवन में तीन गुना लाभ के बारे में संक्षिप्त विवरण दूँगी।

पतंजलि अष्टांग योग

अष्टांग योग सूत्र की रचना योग पिता महर्षि पतंजलि ने करीब 200 ईसा पूर्व की थी।

पतंजलि अष्टांग योग के आठ अंग हैं :-

1. यम (संयम),
2. नियम (पालन),
3. आसन (योग मुद्राएं),
4. प्राणायाम (श्वास नियंत्रण),
5. प्रत्याहार (इंद्रियों पर नियंत्रण),
6. धारणा (एकाग्रता),
7. ध्यान और
8. समाधि (अवशोषण).

यम : यम वे सिद्धांत हैं जो हमें दूसरों और अपने आसपास की दुनिया के साथ व्यवहार करना सिखाते हैं। यम के पांच उप अंग हैं, अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। इन पांच उप अंगों को स्वयं के जीवन में समाहित करना ही अष्टांग योग का पहला चरण है।

नियम : यम को साधने के बाद बारी आती है, नियम की। इसके भी पांच उप अंग हैं, शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान। इन नियमों को जीवन में समाहित कर अष्टांग योग के दूसरे चरण को पार किया जा सकता है।

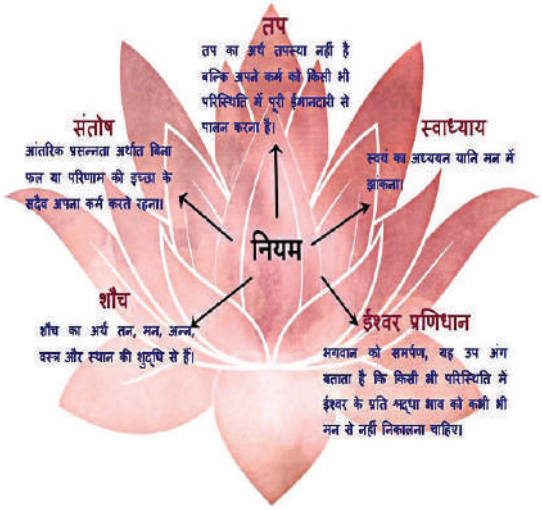

आसन: पतंजलि ने स्थिर तथा सुखपूर्वक बैठने की क्रिया को आसन कहा है (स्थिरसुखमासनम्)| पतंजलि के योगसूत्र में

आसनों के नाम नहीं गिनाए गए हैं। लेकिन परवर्ती विचारकों ने अनेक आसनों की कल्पना की है। नियमित रूप से कुछ देर इस आसन में बैठने से मन तो शांत होता हैं, साथ ही शरीर में ऊर्जा भी संचित रहती है। वहीं, यह आसन अष्टांग योग के दूसरे अंग नियम में शामिल स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान को गहराई से समझने की शक्ति पैदा करता है।

प्राणायाम : प्राणायाम शब्द 'प्राण' और 'आयाम' से मिल कर बना है। इसका अर्थ है "प्राण-शक्ति" को आयाम देना। इस क्रिया से प्राण-शक्ति सुदृढ होती है। प्राणों को एक निश्चित आयाम तक पहुँचाना ही प्राणायाम है। यह प्राण-शक्ति को विस्तार देने वाली क्रिया है। इसके नियमित अभ्यास से प्राण-ऊर्ध्वगामी हो जाती है। "प्राणायाम श्वास का नियंत्रण है"। महर्षि पतंजलि के अनुसार आसन मे स्थिरता आने के बाद ही प्राणायाम करना चाहिए।

प्रत्याहार : अष्टांगयोग का पाँचवाँ अंग प्रत्याहार है, यह तकनीक हमें भीतर की यात्रा करने और परम शांति पाने का तरीका सिखाती है।

धारणा : धारणा का अर्थ है एकाग्रता। मन का एकल, गहन ध्यान में सहायता करता है। धारणा का अभ्यास करने के लिए, व्यक्ति को एक शांत स्थान चुनना चाहिए और एक आरामदायक बैठने की स्थिति ग्रहण करनी चाहिए। किसी चक्र या मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आंखें बंद रखी जा सकती हैं, या वे किसी बाहरी वस्तु पर दृष्टि और मन को स्थिर करने के लिए खुली रह सकती हैं।

ध्यान : ध्यान मन को स्थिर होते हुए देखने की अवस्था है।जब कोई व्यक्ति धारणा चरण में चुनी गई वस्तु या नाम पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होता है, तो ध्यान का अभ्यास किया जाता है। इस अवस्था में योगी का ध्यान भीतर की ओर होता है, और केवल एक ही वस्तु या नाम या विचार पर होता है।ध्यान योग सत्य को खोजने में सक्षम बनाता है। यह भ्रम को वास्तविकता से अलग करने और चीजों को देखने में मदद करता है कि वे क्या हैं।

समाधि : समाधि ज्ञान है, यह वर्तमान क्षण में अनिश्चित काल तक रहने की क्षमता है। समाधि, (संस्कृत: "कुल आत्म-संग्रह") मानसिक एकाग्रता की उच्चतम अवस्था है जिसे लोग शरीर से बंधे हुए भी प्राप्त कर सकते हैं। पतंजलि बताते हैं कि समाधि, धारणा (एकाग्र ध्यान) और ध्यान (सरल ध्यान) के अभ्यास से प्राप्त ध्यानपूर्ण अवशोषण की स्थिति है, जब मन की विकृति के बिना सच्ची आवश्यक प्रकृति को जाना जाता है। इसे ध्यान प्रक्रिया की परिणति माना जा सकता है। **धारणा एक-बिंदु एकाग्रता है। ध्यान मैडिटेशन है। समाधि वह ट्रांस है जहां मन अपनी प्रकृति से रहित होता है और विषय (ऑब्जेक्ट) केवल चमकता है।**

अष्टांग योग से लाभ तीन स्तर पर होता है - शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक :-

शारीरिक लाभ	मानसिक लाभ	आध्यात्मिक लाभ
1. शरीर के समन्वय में सुधार।	1. आत्मविश्वास में होता है सुधार..	1. अंतःकरण को निर्मल और मजबूत बनाने में सहायक..
2. मांसपेशियों एवं हड्डियों की ताकत में सुधार करता है।	2. मानसिक तनाव की समस्या में होती कमी..	2. एकाग्रता एवं ध्यान में सुधार ....
3. बेहतर श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति।	3. याददाश्त और एकाग्रता में सुधार....	3. ध्यान से ज्ञान में वृद्धि...
4. कार्डियो और संचार स्वास्थ्य।	4. फोकस में है मददगार..	4. नई सोच का उदय..
5. डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार	5. मन को शांत करने एवं धैर्य की बढ़ोत्तरी में मददगार..	5. ध्यान हमारे जीवन को व्यवस्थित करता है
6. रक्तचाप और हृदय गति को नियंत्रित रखने में मदद।	6. चिंता और अवसाद में होती है कमी...	6. ध्यान हमें अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है।
7. चोट से सुरक्षा ।	7. मूड में होता है सुधार...	7. ध्यान से शरीर, मन और आत्मा में संतुलन।
8. लचीलापन बढ़ाना ।	8. गुस्से पर होता है क़ाबू..	8. योग से अचेतन मन, अवचेतन मन, चेतन मन से ही परम चैतन्य का विकास होता है।
9. वज़न घटाना।	9. नकारात्मक सोच में कमी.	
10. शरीर को आराम ।	10. बेहतर नींद आना।	

रेलटेल कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत की गई पहल

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व का अर्थ है कंपनियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में बताना है। भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के नियम अप्रैल 1, 2014 से लागू हैं। कंपनी एक्ट 2013 एवं कम्पनीज (CSR पॉलिसी) नियम 2014 के अनुसार यदि किसी कम्पनी की कुल मूल्य 500 करोड़ या टर्नओवर 1000 करोड़ या शुद्ध लाभ 5 करोड़ से ज्यादा है, उसे इन कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व CSR नियमों का पालन करना आवश्यक है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का उद्देश्य उस समाज की भलाई के लिए योगदान करना है जिसमें वह अपनी गतिविधिया संचालित करता है एवं लाभ कमाता है अत: यह उसका नैतिक दायित्व है। इसे कॉर्पोरेट रणनीति के रूप में भी माना जा सकता है जो कंपनी को अपनी सार्वजनिक छवि सुधारने में मदद करती है। प्रत्येक कंपनी का बोर्ड यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम 2% इस प्रकार की गतिविधियो पर व्यय करे। कंपनी को स्थानीय क्षेत्रों और उसके आसपास के क्षेत्रों को वरीयता देनी चाहिए जहां वह काम करती है।

इस नीति के अनुसरण में रेलटेल ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय और स्थानीय महत्व के अन्य क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं भी चला रहा है। ऐसी ही कुछ परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया जा रहा है।

रेलटेल आकांक्षा सुपर 30 परियोजना

आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आवासीय कोचिंग के माध्यम से कमजोर वर्ग के लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों के जीवन को बदलने के उद्देश्य से चलाई जा रही एक बहुत ही अनूठी परियोजना है। इस परियोजना ने पिछले छह वर्षों के दौरान परियोजनाओं के लिए नामांकित 177 छात्रों में से आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों से इंजीनियरिंग करने वाले 167 छात्रों के जीवन को बदल दिया है। बहुत से छात्र अपनी डिग्री पूर्ण करके देश/विदेश में सरकारी कंपनियों मे कार्य कर रहे है।

रेल टेल रेलटेल आकांक्षा सुपर 30 परियोजना के लाभार्थी छात्र-छात्राएँ

सहयोगी-संजीवनी देखभाल के लाभार्थी

सहयोगी-संजीवनी देखभाल

यह मुख्य रूप से समाज के कमजोर वर्गों के कैंसर रोगियों के लिए एक परामर्शदायी परियोजना है जहां प्रशिक्षित अधिकारी सुपर स्पेशलिटी क्षेत्रीय कैंसर अस्पतालों के सहयोग से रोगियों के साथ काम करते हैं और न केवल उन्हे इस गंभीर बीमारी के दौरान अपना मनोबल बनाये रखने एव इसे चुनौती की तरह स्वीकार करने की प्रेरणा देते है तथा हर संभव मदद प्रदान करते है अपितु इससे ठीक हो जाने के बाद सुचारु रूप से जीवनयापन के लिए परामर्श देते है ।

यह कार्यक्रम वर्तमान में एम्स ऋषिकेश, पीजीआई चंडीगढ़ और होमीभाभा कैंसर अस्पताल वाराणसी में किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत अब तक कुल 2800 कैंसर रोगियों की सहायता की जा चुकी है।

समग्र टेली चिकित्सा सेवाएं

(एनजीओ) हेल्दी एजिंग इंडिया के सहयोग से महाराष्ट्र के जालना जिले के राजूर और आसपासके ग्रामीणों को प्रतिष्ठित अस्पतालों के साथ चिकित्सा परामर्श सहित अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बुनियादी उपकरणों से लैस एक टेली हेल्थ वैन की स्थापना की है। यह वैन आस पास के पाँच गाँवों मे क्रमश: जाती है मरीजो की जांच करके परामर्श एवं औषधियां वितरित करती है एवं आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सको से टेली परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध करवाती है ।)

टेली चिकित्सा यूनिट वाहन

आप जिस तरह बोलते है, बातचीत करते हैं, उसी तरह लिखा भी कीजिए। भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए।

—महावीर प्रसाद द्विवेदी

रेलटेल द्वारा सामाजिक कॉर्पोरेट सामजिक दायित्व परियोजनाओं और सार्वजनिक वाई-फाई का उद्घाटन

दिनांक 05 मई 2022 को माननीय केन्द्रीय रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने रेलटेल (रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक मिनी रत्न पीएसयू) द्वारा स्थापित तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया:

1. महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित सैनिटरी पैड की निर्माण की ईकाई ।
2. मोबाइल टेली हेल्थ यूनिट
3. श्री गणपति मंदिर परिसर, राजुर में सार्वजनिक वाई-फाई इंटरनेट सुविधा ।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. के श्री संजय कुमार, निदेशक/एनपीएम, रेलटेल एवं रेलवेज की वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

माननीय केंद्र रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने अपने संबोधन में कहा कि 'राजूर एक छोटा सा गांव हो सकता है लेकिन यह एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण जगह है। हमारे यहां सप्ताहांत में श्री गणेशपति मंदिर में 25000 से अधिक भक्त आते हैं। मैं रेलटेल को इस तरह की जगह पर वाई-फाई सुविधा प्रदान करने के लिए धन्यवाद देता हूं। इस क्षेत्र में सभी के लिए वाई-फाई बहुत जरूरी है, राजूर मंदिर जाने वाले ग्रामीणों को इस सुविधा का पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल टेली दवाएं स्थानीय क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के लिए 5 गांवो का दौरा कर सकती है और इससे आम लोगों को अत्यधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की है कि विजन गांवो में विशेष रूप से महिलाओं के लिए चिकित्सा सुविधाओं में सुधार करने के लिए ऐसी सुविधाएं राजूर जैसे छोटे से गांव में अस्तित्व में आई हैं। उन्होंने मोबाइल वैन और सेनेटरी पैड उत्पादन ईकाई की दोनों सीएसआर परियोजनाओं के लिए रेलटेल को धन्यवाद दिया तथा यह भी कहा कि इस ईकाई से निर्मित होने वाले सेनेटरी पैड से ग्रामीण महिलाओं को मासिक धर्म की सवछता में सुधार करने में लाभ होगा।

सेनेटरी पैड निर्माण इकाई और मोबाइल टेली-हेल्थ यूनिट को रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के अंतर्गत लॉच किया जा रहा है जबकि श्री गणपति मंदिर परिसर में सार्वजनिक वाई-फाई इंटरनेट सुविधा ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को बढावा देने और

माननीय श्री राव साहेब पाटिल दानवे, केन्द्रीय रेल, कोयला, खान राज्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक वाई-फाई का उद्घाटन

माननीय श्री राव साहेब पाटिल दानवे, केन्द्रीय रेल, कोयला, खान राज्यमंत्री द्वारा विभिन्न कॉर्पोरेट सामजिक दायित्व परियोजनाओं का उद्घाटन

शहरी ग्रामीण विभाजन को पाटने के लिए रेलटेल द्वारा एक परियोजना के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है

गाजियाबाद में प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र

गैरसरकारी संगठन **"सार्थक"** के सहयोग से गाज़ियाबाद मे रेलटेल की सीएसआर(CSR) परियोजना के अंतर्गत इस सेंटर की शुरुआत की गई है। जहां जन्म और 3 साल की उम्र के बीच बच्चे के विकास की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान एक परिवार के सदस्य के रूप में, बच्चे के विकास को बनाए रखने या बढ़ाने के लिए हस्तक्षेप किया जाता है। प्रारंभिक हस्तक्षेप जन्म से 12 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए सेवाओं का वर्णन करता है, जिनके विकास में देरी होती है, मस्तिष्क संबंधी खराबी, बौद्धिक विकलांगता, डाउनसिंड्रोम, ऑटिज्म, एडीएचडी आदि जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थितियां होती हैं।

प्रारंभिक हस्तक्षेप का लक्ष्य "विभिन्न उपायों के माध्यम से शारीरिक, संज्ञानात्मक, भावनात्मक और जैविक या पर्यावरणीय जोखिम कारकों को रोकना या कम करना है, जैसे:

प्रवृत्ति उपचार, जिसमें सभी अंगो का भलीभाति कार्य करना संवेदी, संज्ञानात्मक, अवधारणात्मक और अनुकूली व्यवहार से संबंधित बच्चे की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए सेवाएं शामिल हैं।

विशेष शिक्षा, जो भावनात्मक, व्यवहारिक, या संज्ञानात्मक हानि या बौद्धिक, श्रवण, दृष्टि, भाषण, या सीखने की अक्षमता वाले बच्चों की मदद करती है;

भाषण चिकित्सा, बोलने की समस्याओं और भाषण विकारों का मूल्यांकन और उपचार है। भाषण-भाषा रोगविज्ञानी (एसएलपी) बच्चों और वयस्कों में भाषण, भाषा, सामाजिक संचार, संज्ञानात्मक-संचार और निगलने संबंधी विकारों को रोकने, मूल्यांकन, निदान और उपचार के लिए काम करते हैं।

व्यवहार संशोधन, मनोवैज्ञानिक समस्याओं और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित या उससे संबंधित व्यवहार संबंधी समस्याओं का आकलन, निदान और उपचार करते हैं। इसके अलावा, वे स्वस्थ व्यवहार को बढ़ावा देने, बीमारियों को रोकने और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं

कॉर्पोरेट सामजिक दायित्व परियोजनाओं के अंतर्गत गाज़ियाबाद में प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र की गतिविधियाँ

रेलटेल उत्तरी क्षेत्र की गतिविधियाँ

रेलटेल उत्तरी क्षेत्र उच्च राष्ट्रीय महत्व और सामरिक आवश्यकताओं की विभिन्न परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

(i) निर्भया/रेलवे फंड से भारतीय रेलवे के लिए और उसकी ओर से रेलटेल के उत्तरी क्षेत्र के तहत 151 रेलवे स्टेशनों पर मौजूदा वीएसएस अवसंरचना के साथ आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशन और एकीकरण, आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) का संचालन और रखरखाव।

उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 4 क्षेत्रीय रेलवे (उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे) के 151 रेलवे स्टेशन कार्य के अंतर्गत में आते हैं।

(ii) ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) परियोजना के कटरा-बनिहाल खंड में सुरंग संचार का प्रावधान ।

(iii) पैन इंडिया से संबंधित मदों और एफनेट नेटवर्क उपकरण के व्यापक वार्षिक रखरखाव को करना और वायु सेना कमान कार्यालय (सेना भवन, डब्ल्यू ए सी एवं सीएसी) के विभिन्न महत्त्वपूर्ण कनेक्टिविटी का प्रावधान।

(iv) डीआरडीओ के लिए उसके नेटवर्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटर में वृद्धि और क्लाउड आधारित आर्किटेक्चर की कमीशनिंग और इन्स्टालेशन, कार्य की आपूर्ति।

(v) डीआरडीओ को विभिन्न सेवाओं का प्रावधान जिसमें फाइबर बिछाने/रखरखाव, पीओपी निर्माण, विभिन्न क्षमताओं के प्वाइंट-टू-प्वाइंट लीज लाइन लिंक और आईपी/एमपीएलएस नेटवर्क पर 100+ स्थानों पर एसडीडब्ल्यूएएन (SDWAN) सेटअप शामिल हैं।

(vi) राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन), रक्षा लेखा के महानियंत्रक (सीजीडीए), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सीडीओटी), ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) और कई अन्य सरकार के लिए विभिन्न क्षमताओं के लिंक का प्रावधान।

उत्तरी क्षेत्र में कुशल और प्रतिबद्ध पेशेवरों की एक टीम है जो निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) परियोजना के कटरा-बनिहाल खंड में सुरंग संचार का कार्य प्रगति पर

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय एवं टेरिटरी में आयोजित योग दिवस तथा विश्व पर्यावरण दिवस की झलकियां

क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली में योगाभ्यास करते हुए उत्तरी क्षेत्र के कार्मिक

चंडीगढ़

जयपुर

लखनऊ

दिल्ली

प्रयागराज

ऑफिस योग

मेघना अग्रवाल
सहायक महाप्रबंधक/ कार्मिक एवं प्रशासन

अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो थोड़े से वक्त में हम अपने ऑफिस में ही बैठकर योग की कुछ क्रियाओं को करके सारी उम्र निरोग रह सकते हैं। आइये जानें कि किस प्रकार ऑफिस योग के द्वारा हम अपने हृदय, फेफड़े, पीठ, कमर, पेट और पंजों को स्वस्थ रख सकते हैं। इन क्रियाओं से जहां हमारी कार्यक्षमता पर प्रभाव पड़ता है वहीं दूसरी ओर हमारे शरीर में चुस्ती आती है और हमारा दृष्टिकोण जीवन, समाज और देश के प्रति सकारात्मक बनता है। योग के साथ-साथ यदि सुबह उठने से लेकर रात्रि में सोने तक हम प्रकृति के नियमों का पालन करें और अपनी दिनचर्या को नियमित रखें तो वह दिन दूर नहीं जब देश के सभी व्यक्ति पूर्ण स्वास्थ्य का लाभ उठाकर इस देश को तरक्की की ओर ले जायेंगे ।

हृदय स्तंभन क्रिया

सबसे पहले ऑफिस या घर में कुर्सी पर आराम से बैठ जाएं और बायें हाथ को कुर्सी के मुट्ठे पर या फिर अपनी गोद में रख लें। कमर, गर्दन बिलकुल सीधी, चेहरा, आंखें और शरीर तनावरहित और फिर अपने दायें हाथ की पांचों उंगलियों को मिलाकर कपनुमा आकार बना लें और अपनी छाती के बायें भाग, यानि हृदय वाले भाग पर धीरे-धीरे थपथपाएं। इस क्रिया को कम से कम 50 बार करें।

लाभ : इस क्रिया से हमारे हृदय की मसाज होती है! हमारे हृदय में रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे उसकी कार्यक्षमता बढ़ जाती है। हृदय को बल मिलता है।

फेफड़े विकास क्रिया

इस क्रिया में पहली क्रिया की तरह ही कुर्सी पर बैठ जाएं। नाक से श्वास भरकर अपनी छाती को ज्यादा से ज्यादा फुलाएं और अपनी क्षमतानुसार श्वास रोकें और फिर बिना आवाज़ नाक से श्वास का धीरे-धीरे रेचन करें। इस क्रिया को 10-15 बार अवश्य करें। इस क्रिया को करते वक्त आंखें बंद और हमारे मन में यह विचार होना चाहिये कि हम सकारात्मक ऊर्जा श्वास द्वारा ले रहे हैं। हृदय रोगी और उच्च रक्तचाप के रोगी श्वास को नहीं रोकें ।

लाभ : इस क्रिया से हमारे फेफड़ों को ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ जाती है। दमा और टी.बी के रोगियों के लिये यह क्रिया रामबाण का काम करती है।

कमरशक्ति विकास क्रिया

इस क्रिया में एक कुर्सी पर आरामपूर्वक बैठ जाते हैं, टांग और पैर के पंजे आपस में मिले होते हैं। उसके बाद हम अपनी कमर

तक के भाग को बायीं और झुकाते हैं और फिर अपनी गर्दन, दाएं हाथ को भी बायीं ओर झुकाते हैं और बायें हाथ से कुर्सी का दायां किनारा पकड़ लेते हैं। कुछ देर इसी अवस्था में रहते है और फिर इस क्रिया को दूसरी ओर से करते हैं। इस क्रिया को कम से कम एक तरफ 10-10 बार करना चाहिये।

कमरशक्ति विकास की दूसरी क्रिया में अपनी कुर्सी को डेस्क से थोड़ा पीछे की ओर सरकाकर कुर्सी के अग्र भाग पर बैठें और दोनों पैरों के बीच कंधे की चौड़ाई की दूरी हो। अब सांस भरकर अपने बायें बाजू को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठायें और दायां हाथ दोनो पैर के बीच से जमीन को स्पर्श करेगा और 5 तक गिनती तक इस मुद्रा में रुकें तथा आपकी गर्दन और आँखें भी ऊपर की तरफ रहेंगी और फिर धीरे-धीरे अपने हाथ को नीचे लायें और इसी प्रकार से यह क्रिया दूसरी ओर से भी करें।

लाभः इन दोनों क्रियाओं से हमारे कमर सम्बंधी सभी रोग दूर हो जाते हैं। इनसे हमारी कमर सुडौल और पतली हो जाती है। और कमर की चर्बी कम हो जाती है।

पेट कम करने की अजगरीक्रिया

इस क्रिया में हम कुर्सी पर बैठकर अपने दोनों हाथ कुर्सी के मुट्ठी पर रख देंगे और फिर नाक के दोनों छिद्रों से सांस भरकर धीरे-धीरे अजगर की भांति पेट फुलायें और फिर अपनी क्षमतानुसार इस अवस्था में रुकें और फिर धीरे-धीरे श्वास छोड़ते हुए अपने पेट को पिचकाएं और प्रयास करें कि आपका पेट आपकी पीठ से लग जाये।

लाभ : इन क्रियाओं द्वारा आप अपने पेट को कम कर सकते हैं। ये क्रियाएं पेट की मांसपेशियां, पेनक्रियास ग्लैंड और पेल्विकरीजन को मजबूत बनाती हैं। भोजन करने के 3 घंटे बाद ही इन क्रियाओं का अभ्यास करें।

पीठ विकासकक्रिया

इस क्रिया में कुर्सी पर सामान्य अवस्था में बैठ जाएं। दोनों

पैरों को आपस में मिला लें। कमर बिल्कुल सीधी रखें और दोनों हाथों से सीट के आगे वाला किनारा पकड़ लें और फिर अपनी गर्दन और कंधों को आगे की ओर झुकाएं। फिर कुर्सी के दोनों किनारों को पकड़कर अपनी कमर से आर्च बनाते हुए गर्दन, सिर को सीधा रखें।

लाभ : इन क्रियाओं का सीधा प्रभाव हमारे मेरुदंड पर पड़ता है, जिससे हमारी कमर पतली और मेरुदंड लचीला बनता है। इन क्रियाओं से बुढ़ापा देर से आता है।

मौन क्रिया

कहा जाता है कि मौन के द्वारा सब कुछ साधा जा सकता है। वाणी पर संयम रख भगवान महावीर ने 12 वर्षों तक मौन की साधना की और अपने शिष्यों से भी अनावश्यक न बोलने की परम्परा को अपनाने का उपदेश दिया। रोज कम से कम इस क्रिया के अभ्यास 30 मिनट जरूर करें।

लाभ: स्वयं के द्वारा स्वयं का साक्षात्कार करने में मौन अत्यंत सहायक है। मौन हमें शक्ति प्रदान करता है।

सबूत

विक्रम सिंह
सहायक पर्यवेक्षक/कॉर्पोरेट कार्यालय

अभी हाल ही में संपन्न हुए अंतराष्ट्रीय महिला दिवस को हम सभी ने बढ़ी हर्षोल्लास के साथ मनाया। हम सभी ने नारी शक्ति को पहचाना एवं माना है। शिव स्वयं देवी सती के वियोग में कहते हैं की सती के बिना ये शिव (इ की मात्रा स्त्रीत्व का प्रतीक है) शव के समान है। परन्तु कभी कभी हम प्रकृति के दोनों तत्वों को समान स्थान देना भूल जाते हैं। पुरुष और प्रकृति दोनों ही संसार की सर्वोत्तम कृति हैं और दोनों का ही इस संसार में अपना अपना उचित योगदान है।

घर में आज फिर कलेश हुआ था। पिता-पुत्र में आये दिन होने वाले इस विवाद से नीलिमा परेशान हो जाती थी। जीवन में न और कोई दुःख था, न संताप। छोटा सा परिवार; आर्थिक रूप से संपन्न थे, लेकिन शान्ति से विपन्न। सास-बहू में प्रेम था, लेकिन पिता-पुत्र में खटपट चलती रहती थी। ये हालात देख-देख नीलिमा दुखी होती कि न जाने कौन सी कमी रह गयी विक्रम की परवरिश में जो वह अपने पिता की अहमियत नहीं समझ पाया। शायद उसे पिता से विरासत में कोई ज़मीन-जायदाद नहीं मिली, यह वजह हो सकती थी। अब छोटी-सी नौकरी में वे जायदाद भी क्या जोड़ते। विक्रम ने आशियाना अपने दम पर तैयार किया था। आखिर ऊँचे ओहदे पर जो पहुँच गया था। विक्रम ने ही अपनी कमाई से घर की विपन्नता दूर की थी। उसे हमेशा यही गुमान था कि जो भी हासिल किया, खुद की बदौलत। पिता ने किया ही क्या मेरे लिए। विक्रम पढ़ाई में होशियार था, इसलिए जल्द ही उसे बढ़िया जॉब भी मिल गई। और बस तभी से उसे ये लगने लगा की जो किया, उसने खुद के बलबूते किया। माँ-बाप का उसमे कोई योगदान नहीं। ऐसे में वो पिता के खिलाफ जाने का कोई मौका नहीं चूकता। जब भी दोनों में विवाद होता, विक्रम यही तंज़ कसता - 'आपने मेरे लिए किया ही क्या है?' पिता यह बात सुन कसमसाते, मुट्ठी बाँध लेते। उनकी भृकुटी फड़कने लगती, लेकिन चुप रह जाते। शादी के बाद भी विक्रम के व्यव्हार में कोई बदलाव नहीं आया। नीलिमा भी अपने पति का ये रूप देखकर हैरान रह जाती। उसे ससुरजी के साथ विक्रम का यह बर्ताव बिलकुल अच्छा नहीं लगता। उसने कई बार टोका, समझाया, लेकिन विक्रम का अहं रत्ती भर भी कम नहीं हुआ।

आज विक्रम का ऑफ था। वह अपने नन्हे बेटे पर पूरा प्यार उड़ेल रहा था। तभी नीलिमा ने विक्रम के इसी प्यार-दुलार को मोबाइल के कैमरे में कैद करना शुरू कर दिया। विक्रम भी उत्साहित होकर और लाड़ जताने लगा। उसे लगा की नीलिमा बेटे के बचपन के यादें संजोकर रखना चाहती है। फोटो खींचने या वीडियो बनाने का सिलसिला अनवरत चलने लगा। अब

तो घर में या बाहर, जहाँ भी विक्रम अपने बेटे के साथ होता, नीलिमा मोबाइल में उनके ये पल रिकॉर्ड करती जाती। विक्रम का बेटे को गोद में लेकर कोई गीत गाकर सुलाना हो या फिर उसके रोने पर उसे चुप कराने और हँसाने के तमाम जतन करना हो, कभी पालने में झूला झुलाना हो तो कभी घुटनों के बल घोड़ा बनकर चलते हुए उसे सैर कराना हो। उसके लिए नित नए खिलौने लाना हो या कंधे पर बैठाकर बागीचा घुमाना हो, विक्रम का अपने बेटे को समर्पित हर पल नीलिमा के मोबाइल में होता। एक दिन बेटे की तबियत ख़राब हो गई। विक्रम बहदवास-सा घर आया और उसे डॉक्टर के यहाँ लेकर भागा। जब तक नंबर आता, उसके चेहरे पर हवाइंया उड़ती रहीं। परेशान-सा कभी मन ही मन भगवान् को याद करता तो कभी हर दो मिनट में बच्चे को प्यार करता। नीलिमा ने चुपके से इसका भी वीडियो बना लिया। दवा लेकर घर आये तो बुखार उतारने के लिए बेटे के सिर पर विक्रम ही ठन्डे पानी की पट्टियाँ रख रहा था। नीलिमा कमज़ोरी का बहाना बनाकर लेटी रही। बच्चा भूख से रोया तो तड़के चार बजे विक्रम ही किचन में दूध गरम करने लगा। पीछे से वहां पहुंची नीलिमा इसका भी वीडियो बनाने लगी। अब तो विक्रम झल्ला उठा। ये क्या तमाशा लगा रखा है नीलिमा। बच्चा बुखार में है और तुम्हे वीडियो बनाने की पड़ी है। क्या पागलपन है ! आखिर क्या ज़रूरत है इसकी ? नीलिमा ने एकटक विक्रम को देखा और फिर बोली - 'ज़रूरत है विक्रम, क्योंकि मुझे बेटे से ज़्यादा तुम्हारी चिंता है।' विक्रम प्रश्नवाचक नज़रों से नीलिमा को देखने लगा। 'हाँ, अब कल को ये बड़ा होगा तो हम ही लोगों से सवाल करेगा कि आप लोगों ने मेरे लिए किया ही क्या है? माँ की ज़रूरत, प्रेम-स्नेह को तो बेटा फिर भी समझ लेता है, लेकिन पिता की अहमियत कई बार समझ नहीं पाता या बड़ा वक़्त लग जाता है। इसलिए बस तुम्हारे लिए ही ये वीडियोज़ बना रही हूँ। विक्रम अब भी बहुत ज़्यादा समझ नहीं पाया था। फिर नीलिमा मोबाइल दिखाते हुए बोली - 'ये सबूत उसी दिन के लिए हैं, जब हमारा बेटा तुमसे पूछेगा कि आपने मेरे लिए किया ही क्या है ? अब उस ज़माने में तो मोबाइल फोन था नहीं, सो पापा के पास सबूत कैसे होते ? पर हाँ, तुम्हें कोई दिक़्क़त नहीं आएगी। ये सब सबूत तुम्हारे खूब काम आएंगे।' नीलिमा ये सब एक साँस में कह गई। 'फिर भी कुछ सबूत तो मैंने जुटाए ही हैं पापा की तरफ से।' कहते-कहते नीलिमा का स्वर आद्र हो चुका था।

नीलिमा दूसरे कमरे में गई और पुरानी तस्वीरों का एल्बम अपने साथ ले आई। ये देखिये, तुम्हारे जन्मदिन की तस्वीर है, जब पापा जी तुम्हारे लिए साइकिल लाए थे। शायद कर्ज़ा लेकर। देखो, तुम्हारे चेहरे पर कितनी ख़ुशी है। तुम्हे तो शायद अब याद भी नहीं होगा जब तुम बचपन में गंभीर बीमार हुए थे। ठीक होने पर पापा जी ने मन्नत पूरी करने के लिए नंगे पैर तीर्थयात्रा की थी। ये तस्वीर तब की है। मम्मी ने एक बार बताया था मुझे। ये तो शायद और भी तस्वीरें जुटा लेते, मगर इन्हे पता नहीं था कि बड़े होने पर सबूत दिखाने की ज़रूरत पड़ेगी। लेकिन विक्रम ऐसी कई अदृश्य तस्वीरें हैं जिन्हें महसूस करना चाहिए था। नीलिमा बोलते जा रही थी। मुझे मम्मी जी ने बताया था कि किस तरह पापा जी ने अपनी खुशियाँ मारकर तुम्हारे सपने पूरे किए। कैसे महंगे स्कूल में एडमिशन दिलाने को पापा जी ने अपने अँगूठी बेच दी थी। कैसे वो तुम्हारी ज़रूरतें पूरी करने के लिए डबल ड्यूटी भी करते थे। खुद पुराने कपड़ों में दिन गुज़ारकर तुम्हें नई ड्रेस दिलाते रहे। तुम्हारी कोचिंग की फीस जुटाने के लिए खुद साइकिल पर चलते रहे, लेकिन अपने लिए गाड़ी नहीं ख़रीदी। चलिए, मान लिया, तुम अपनी मेहनत से ऊँचे ओहदे पर पहुंचे हो, लेकिन क्या सच में पापा जी ने आपके लिए वाकई कुछ नहीं किया? कहते-कहते नीलिमा का गला भर आया। नीलिमा की हर बात तमाचों की तरह विक्रम के गाल पर पड़ रही थी। कुछ ही देर में बचपन से लेकर अब तक का पूरा कालचक्र उसकी आँखों के सामने घूम गया। वह सुधबुध-सा खोया खड़ा रहा। समझ ही नहीं आ रहा था, क्या करे। अचानक पिता के कमरे की और दौड़ पड़ा। पिता अभी सोकर उठे ही थे। वह उनसे गले लिपट गया। पिता को समझते देर नहीं लगी। उसके आंसुओं ने ही सबकुछ कह दिया। पिता ने भी उसे कसकर सीने से लगा लिया। एक कोने में खड़ी नीलिमा की अश्रुधारा भी बह निकली। सुबह का सूरज निकलने में अब भी थोड़ा वक़्त था, लेकिन इस परिवार में खुशियों के सूरज का उदय हो चुका था।

रेलटेल पश्चिमी क्षेत्र की गतिविधियाँ

इस अवधि के दौरान प्राप्त प्रमुख व्यावसायिक कार्य/ उपलब्धियां इस प्रकार हैं-

1. **मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड:** (MPSEDC) से पश्चिमी क्षेत्र को 115.23 करोड़ रुपये का System Integrator के लिए SDC के विस्तार और उड़ीसा में 5 वर्षों की अवधि के लिए Disaster Recovery (डीआर) केंद्र की स्थापना हेतु खरीद आदेश (पीओ) मिला है। यह प्रतिष्ठित कार्य मजबूत प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता, प्रक्रिया उत्कृष्टता और बेहतर निष्पादन क्षमताओं के आधार पर घरेलू IT क्षेत्र में रेलटेल की प्रमुख स्थिति का समर्थन करता है। इससे नागरिकों को सेवाओं के वितरण में सुधार करने, सार्वजनिक व्यय पर पारदर्शी रूप से प्रबंधन और रिपोर्टिंग करने और विभिन्न सरकारी संस्थाओं के भीतर बातचीत की प्रभावशीलता में सुधार करने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) के लिए आवश्यक मुख्य अवसंरचना के प्रमुख तत्वों में से एक के रूप में उभरने वाले SDC के लिए यह परियोजना महत्वपूर्ण हैं।

2. **वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड नागपुर:** WCLनागपुर से 150 करोड़ रुपये की लागत से 5 वर्षों की अवधि लिए 447 स्थानो को जोड़ने के लिए MPLS VPN सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए कार्य आदेश प्राप्त किया गया था। यह पश्चिमी क्षेत्र के इतिहास में प्राप्त सबसे बड़े मूल्य का एकल आदेश है। यह 400 से अधिक भौगोलिक रूप से मुश्किल/दूरदराज के स्थानों पर MPLS VPN कनेक्टिविटी का विस्तार करने का एक बड़ा काम था जिसमें 1800 किमी. OFC केबल बिछाना शामिल था।

3. **BBNL NOFN कार्य:** जून 2021 के महीने में रेलटेल/ पश्चिमी क्षेत्र के लिए गुजरात राज्य में Lossy 4 और नवनिर्मित 227 जिला परिषदों का NOFN काम। इस कार्य में GPON उपस्करों की स्थापना के साथ-साथ 1700 किमी ट्रेंचिंग, डक्टिंग और ओएफसी बिछाना शामिल था। इस काम के लिए, 9 निविदाओं को शीघ्रता से अंतिम रूप दिया गया। तत्पश्चात्, कार्य की दिन-प्रतिदिन के आधार पर बारीकी से निगरानी की गई और LOA प्रदान किए जाने के बाद 6 महीने के रिकॉर्ड समय में परियोजना पूरी की गई।

4. **बकाया वसूली :** बकाया की वसूली के लिए व्यापक और लगातार प्रयास किए गए थे। वर्ष 2021-22 के दौरान, पिछले वर्ष के दौरान वसूल किए गए 123.55 करोड़ रुपये की तुलना में कुल 180.53 करोड़ रुपये का बकाया वसूल किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46% ज्यादा है। इसमें वित्त वर्ष 2020-21 के 90.3% बकाया की मंजूरी शामिल थी।

5. इस अवधि के दौरान अर्जित किए गए confirmed व्यवसाय का मूल्य 263.7 करोड़ रुपये है। इस अवधि के दौरान, 175.43 करोड़ रुपये (78.41 करोड़ रुपये सालाना) के अतिरिक्त कार्य प्राप्त हुए हैं।

6. **टर्नओवर:** 278 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक टर्नओवर (पिछले वर्ष की तुलना में 33% अधिक) और 62.36 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष की तुलना में 11.8% अधिक) का करपूर्व लाभ प्राप्त किया गया।

7. **HMIS:** पश्चिमी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे अस्पतालों (जोनल और मंडल) और स्वास्थ्य इकाइयों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली सफलतापूर्वक लागू कर दी गई है।

8. **अन्य प्रमुख व्यावसायिक आदेश प्राप्त हुए:**

    1. **जंप ट्रेडिंग फाइनेंशियल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड:** 7.55 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ) 5 वर्षों की अवधि के लिए रेलटेल महालक्ष्मी से चेन्नई डीसी, चेन्नई तक 10 Gbps LLBW के प्रावधान के लिए।

2. **बैंक ऑफ बड़ौदा:** 2.52 करोड़ रुपये का PO बैंक ऑफ वडौदा से दो 2g LL से 4G क्षमता के उन्नयन 5 वर्षों के लिए BSNL-PoP से BOB, DC & DR मुंबई एवं हैदराबाद।

3. **भारतीय स्टेट बैंक:** 7.08 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ) मुंबई में 12 स्थानों पर MPLS BW, 4/8/10/16/40 BW के साथ एवं देश के अन्य 8 स्थानों पर 2/8/10 BW, 5 वर्ष की अवधि हेतु।

4. **जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट:** 5.53 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ) JNPT SEZ क्षेत्र में एक वर्ष की अवधि के लिए फाइबर बैकबोन के लिए अवसंरचना की स्थापना के लिए।

5. **जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट:** 6.55 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ) जेएनपीटी SEZ क्षेत्र में फाइबर बैकबोन के लिए अवसंरचना की स्थापना एवं 5 वर्षों की अवधि के लिए अनुरक्षण हेतु और दूसरा PO एक वर्ष की अवधि के लिए सीमा शुल्क गृह, शेवा और सीमा शुल्क रैपिड स्कैन कार्यालय में सीमा शुल्क सर्वर के बीच ऑप्टिकल फाइबर केबल कनेक्टिविटी के प्रावधान के लिए।

6. **बैंक ऑफ बड़ौदा:** 5.53 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ) 4 वर्षों की अवधि के लिए P2P लिंक सिफी, ऐरोली-BSNL, कल्याण (2 और 8 Gbps के 3 लिंक) और बीओबी, गाचीबोवली से BSNL टेलीफोन भवन तक 2 Gbps P2P BW लिंक के प्रावधान केलिए।

7. **भारतीय स्टेट बैंक:** 4 वर्षों की अवधि के लिए पश्चिमी क्षेत्र में 23 स्थानों पर MPLS-VPN BW के उन्नयन/प्रावधान के लिए भारतीय स्टेट बैंक से 1.84 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ)।

8. **टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड:** भोपाल-ग्वालियर (420.9 किमी) के बीच IRU डार्कफाइबर को 10 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे पर देने के लिए TTML से 2.23 करोड़ रुपये का खरीद आदेश ।

9. **भारतीय स्टेट बैंक:** 2.03 करोड़ रुपये का खरीद आदेश (पीओ). भारतीय स्टेट बैंक से पश्चिमी क्षेत्र में 11 स्थानों पर 2/4/6/8 Mbps MPLS-VPN BW के प्रावधान और MTNL भवन GITC बेलापुर में 4 वर्षों की अवधि के लिए 250 Mbps MPLS-VPN BW के प्रावधान के लिए।

पश्चिमी क्षेत्र में आयोजित योग दिवस तथा विश्व पर्यावरण दिवस की झलकियां

वाधवा ग्रुप ने वाधवा वाइज सिटी में सेवाओं के लिए रेलटेल कॉर्पोरेशन के साथ साझेदारी की

इस तरह के इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए एक निजी डेवलपर के साथ रेलटेल द्वारा अपनी तरह का पहला समझौता

वाधवा वाइज सिटी, पनवेल में वाधवा ग्रुप द्वारा विकसित परियोजना ने वीएसएस सेवाओं तथा अन्य सेवाओं जिसमें आरसीआईएल हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड, लीनियर केबल टीवी सेवाएं प्रदान करने और अन्य सक्षम अत्याधुनिक वायर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना, डिजाइन और निर्माण के लिए निवेश करेगा, रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (आरसीआईएल) के साथ एक समझौता किया है।

यह रेलटेल द्वारा इस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए एक निजी डेवलपर के साथ अपनी तरह का पहला समझौता है। रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को पूरे एंड-टू-एंड इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करेगी और स्मार्ट टाउनशिप के अंदर 10 साल की अवधि के लिए वायर्ड और वायरलेस इंफ्रास्ट्रक्चर को रखने का विशेष अधिकार होगा। अन्य सेवा प्रदाताओं को भी अपनी सेवाएं देने की सुविधा मिलेगी जिसमें सुरक्षा सेवाएं, वॉयस (ओवरआईपी) और लीनियर और/नॉन लीनियर) केबल टीवी/डीटीएच और आईपीटीवी सेवाएं और साथ ही वीएएस शामिल हैं। वाधवा वाइज सिटी परिसर में एक्सेस नेटवर्क अंडर-ग्राउंड 48/96 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल का होगा। लास्ट माइल और एक्सेस नेटवर्क डिवाइस दोनों का रखरखाव और प्रबंधन आरसीआईएल-अनुमोदित विक्रेता या एमएसपी/एक्सेस नेटवर्क पार्टनर द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा आरसीआईएल व्यावसायिक अनुमानों के अनुसार रेलवायर यातायात को संभालने के लिए क्षमता में वृद्धि करेगा और एक लचीला नेटवर्क की योजना भी बनाएगा। यह वाधवा वाइज सिटी के निवासियों को नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए रेलवायर पॉप भी बनाएगा। वाधवा ग्रुप के एमडी नवीन मखीजा ने कहा, "वाधवा वाइज सिटी पनवेल को खरीदार के समग्र स्वास्थ्य और जीवन शैली की सभी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। टाउनशिप सामरिक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए कई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के करीब स्थित है और पनवेल के विकास पर सरकार के मजबूत फोकस के साथ, यह क्षेत्र अगला आर्थिक विकास कोरीडोर बनने की उम्मीद है। इसलिए, रेलटेल के साथ यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि वाधवा वाइज सिटी के निवासी इस बुनियादी ढांचे पर दी जाने वाली सर्वश्रेष्ठ इंटरनेट और मूल्य वर्धित सेवाओं का आनंद उठा सकें। रेलटेल की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्रीमती अरुना सिंह ने कहा, "रेलटेल ने हाल ही में रेलवायर ग्राहकों के लिए 13 ओटीटी सेवाओं के साथ बंडलल्ड किए गए असीमित ब्रॉडबैंड प्लान लॉन्च किए हैं। हम रेलवे, रक्षा, कोयला, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करते हैं। वाधवा वाइज सिटी जैसे बड़े टाउनशिप में इस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए यह हमारा पहला समझौता है और हम इसे कुशलता से लागू करेंगे।

कई चरणों में नियोजित परियोजना लगभग 5-7 वर्षों की अवधि में पूरी की जाएगी और इसमें आईटी पार्क, फादरएग्नेल स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, क्लब हाउस, रिटेल और शॉपिंग आदि शामिल होंगे।

हाल के दिनों में, तुलनात्मक रूप से कम कीमतों, अच्छी सड़क और रेलवे कनेक्टिविटी और बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण नैना क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण आवास परियोजनाओं के केंद्र के रूप में उभरा है।

रेलटेल का सिकंदराबाद डेटा सेंटर भारतीय रेलवे और रेलटेल का पहला और देश का आठवां डेटा सेंटर है, जिसे यूपीटाइप इंस्टिट्यूट यूएसए द्वारा डिजाइन और सुविधाओं के लिए टियर-3 प्रमाणन प्राप्त है।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड सतर्कता विभाग की उपलब्धियां

रेलटेल सतर्कता विभाग की स्थापना पारदर्शिता, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में सुधार करके संगठन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। सतर्कता विभाग संगठन के सभी बाहरी हितधारकों को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कर्मचारियों के लिए समर्पण और अखंडता के साथ काम करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में लगातार काम करता है। सतर्कता विभाग का मुख्य उद्देश्य विभाग में भ्रष्टाचार और कदाचार को रोकने के लिए कदम उठाना है

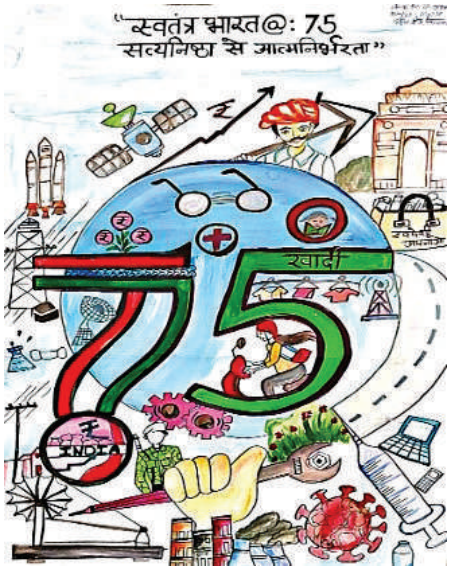

सतर्कता विभाग वर्तमान में एक पूर्णकालिक मुख्य सतर्कता अधिकारी के नेतृत्व में है जिसके अधीनस्थ सतर्कता अधिकारियों की टीम कार्यरत है। सतर्कता प्रमुख के रूप में सीवीओ सतर्कता संबंधी सभी मामलों के लिए मुख्य कार्यकारी (आर्थत् सीएमडी) के सलाहकार के रूप में कार्य करता है। सीवीओ बाहरी एजेंसियों जैसे केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), रेलवे बोर्ड सतर्कता, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ऐसी अन्य एजेंसियों को समन्वय प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार है।

विभाग के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:

- निवारक सतर्कता
- दंडात्मक सतर्कता
- प्रणाली और प्रक्रिया में सुधार
- सीवीसी, रेलवे बोर्ड सतर्कता, सीबीआई और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय
- कर्मचारियों के लिए सतर्कता मंजूरी
- सतर्कता जागरूकता प्रशिक्षण एवं कार्यक्रम

क) गत वर्ष के दौरान मुख्य विशेषताएं

1. गत वर्ष में कुल संख्या 76 आवधिक और औचक निरीक्षण किए गए और संख्या 49 फाइलों की जांच की गई।
2. सीवीओ द्वारा संख्या 1 निरीक्षणों सहित कुल 2 फील्ड निरीक्षण किए गए।
3. गत वर्ष के दौरान संख्या 63 सिस्टम सुधार जारी किए गए।
4. सीवीसी और रेलवे बोर्ड सतर्कता संदर्भित मामलों की 'शून्य' पेंडेंसी।
5. आंतरिक मामलों/शिकायतों के खिलाफ 3 महीने से अधिक समय से कोई जांच लंबित नहीं है।
6. वर्ष के लिए सहमत सूची और ओडीआई सूची को अंतिम रूप दिया गया।
7. 6 महीने से अधिक समय से कोई डीएआर मामला लंबित नहीं है।

ख) महत्वपूर्ण नीतियों और मैनुअल की समीक्षा

1. संवेदनशील पदों की समीक्षा एवं उनका रोटेशन।
2. अनुशासनात्मक और अपील नियम (डीएआर) का संशोधन किया गया।
3. संचालन और रखरखाव मैनुअल का संशोधन किया गया।
4. गेस्ट हाउस नीति को मंजूरी दी।
5. रेलटेल आवासीय आवास आवंटन नियम, 2021 जारी किया।
6. शिकायत पोर्टल का शुभारंभ किया गया।
7. ऑनलाइन ईआरपी आधारित प्रणाली के माध्यम से 100% सतर्कता मंजूरी।
8. ऑनलाइन सतर्कता डेटाबेस- सभी स्तर के कर्मचारियों के लिए सतर्कता प्रोफाइल को ईआरपी सिस्टम पर ऑनलाइन रखा जा रहा है।

9. सॉल्व पोर्टल- डीओपीटी के निर्देशों के अनुसार, सॉल्व पोर्टल पर सभी ई5 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए विजिलेंस प्रोफाइल का रखरखाव किया जा रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

1. केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निर्देशों के अनुसार, हर वर्ष अक्टूबर के अंतिम सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन सभी हितधारकों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम और इसके खिलाफ लड़ाई में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने और अस्तित्व, कारणों और गंभीरता और खतरे के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। रेलटेलमें 26 अक्टूबरसे 1 नवंबर, 2022 तक "स्वतंत्र भारत@: 75 सत्य निष्ठा से आत्मनिर्भरता" के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
2. सतर्कता मामलों पर बातचीत और रेलटेल के शिकायत पोर्टल का शुभारंभ: श्री सुधीर कुमार, अतिरिक्त सचिव/सीवीसी द्वारा 27.10.2021 को किया गया था, जिसमें रेलटेल के कॉर्पोरेट कार्यालय, क्षेत्रों और क्षेत्रों के सभी अधिकारियों ने भाग लिया था। इस अवसर पर, श्री सुधीर कुमार द्वारा रेलटेल का नया शिकायत पोर्टल लॉन्च/उद्घाटन किया गया है। शिकायत पोर्टल में वेब या अन्य स्रोतों के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों का विवरण और स्थिति है। शिकायतकर्ताओं के लिए शिकायत प्रस्तुत करने का लिंक रेलटेल वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
3. GeM के माध्यम से खरीद पर एक व्याख्यान 28.10.2021 को आयोजित किया गया था।
4. डीएआर और जांच कार्यवाही से संबंधित मामले पर एक व्याख्यान 29.10.2021 को आयोजित किया गया था। व्याख्यान श्री एस.एम. श्रीवास्तव, पूर्व अंडर सेक्रेटरी, गृह मंत्रालय द्वारा दिया गया था।
5. प्रतियोगिताओं के माध्यम से जागरूकता:
   5.1 लेख/निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
   5.2 पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
   5.3 कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
   1. सतर्कता बुलेटिन जारी किया गया ।
2. संचालन और रखरखाव मैनुअल का शुभारंभ: किया गया ।
3. आउटरीच गतिविधियां निम्नानुसार आयोजित की गईं:
   i) ई-प्रतिज्ञा: सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लेने के अनुरोध के साथ ई-प्रतिज्ञा लिंक को रेलटेल की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया और जन जागरूकता के लिए सामाजिक खातों के माध्यम से प्रचारित किया गया।
   ii) सोशल मीडिया: सीवीसी और एमओआर जैसे सभी प्रासंगिक हितधारकों को विधिवत टैगिंग के लिए रेलटेल के ट्विटर@ रेलटेल और फेसबुक अकाउंट के माध्यम से सभी घटनाओं को हाइलाइट किया गया था।
   iii) बैनर और पोस्टर: सीवीसी द्वारा सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और मुखबिरों के संरक्षण के संकल्प (पीआईडीपीआई) से संबंधित सतर्कता मामलों से संबंधित बैनर और पोस्टर और पोस्टर सभी कार्यालयों यानी कॉर्पोरेट कार्यालय और क्षेत्रीय/क्षेत्रीय कार्यालयों में रिसेप्शन सहित स्थापित किए गए थे। कर्मचारियों, आगंतुकों और आम जनता की जागरूकता के लिए भवन के बाहर और अंदर के रूप में।
   iv) लोक शिकायत निवारण शिविर: रेलवायर पार्टनर्स की मदद से रेलवायर के लिए ग्राहकों/नागरिकों के लिए जन शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन।
   v) वेंडर्समीट: सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित वेंडरमीट।
   vi) बच्चों के साथ संवाद सत्र: पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कर्मचारियों के बच्चों के साथ बातचीत सत्र सीवीओ और सीएमडी के साथ आयोजित किया गया था

स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका

विजय कुमार सक्सेना
वरिष्ठप्रबंधक/राजभाषा

जैसा कि हम सभी भारतवासी इस बात से भलीभांति परिचित है कि आज हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा ही नहीं राजभाषा भी है। हिंदी को एक प्रादेशिक भाषा की हैसियत से लेकर राष्ट्रभाषा के रुप में लोकप्रिय और सर्वमान्य बनने में और फिर भारत की राजभाषा बनने में कई दशक लगे हैं। राजभाषा के रूप में हिंदी को जो मान्यता दी गयी उसमें स्वतंत्रता-संग्राम के हमारे राजनेताओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही हैं। यह बिलकुल सत्य है कि हिंदी के विकास के लिए उन चिन्तकों, मनीषियों और नेताओं ने अभूतपूर्व कार्य किया है जो अधिकतर हिंदीतर/गैर हिंदी भाषी प्रदेश के थे। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का विचार सर्वप्रथम बंगाल में ही प्रारंभ हुआ और शुरू से अन्त तक इसे वहां के मूर्धन्य नेताओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। पूरे देश के लिए एक राष्ट्रभाषा हिंदी की कल्पना करनेवालों में सबसे अग्रणी हैं बंगाल के श्री केशवचंद्र सेन, जिन्होंने 1873 में अपने पत्र 'सुलभ समाचार' (बंगला) में लिखा "यदि भाषा एक न होने पर भारतवर्ष में एकता न हो तो उसका उपाय क्या है? समस्त भारतवर्ष में एक भाषा का प्रयोग करना इसका उपाय है। इस समय भारत में जितनी भी भाषाएं प्रचलित हैं, उनमें हिन्दी भाषा प्राय: सर्वत्र प्रचलित है। इस हिन्दी भाषा को यदि भारतवर्ष की एक मात्र भाषा बनाया जाए तो यहां एकता शीघ्र ही सम्पन्न हो सकती है। " इनके अलावा अन्य अनेक राष्ट्रीय नेताओं ने प्रान्तीयता की भावना से ऊपर उठकर मुक्त कंठ से हिंदी का समर्थन किया, जिनकी हिंदी सेवा अविस्मरणीय रहेगी।

"स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है जिसे मैं लेकर रहूंगा" का नारा देनेवाले नेता बाल गंगाधर तिलक का स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में विशिष्ट स्थान है। भाषा के बारे में तिलक का विचार था कि हिंदी ही एक मात्र भाषा है जो राष्ट्रभाषा हो सकती है। हिंदी का समर्थन करते हुए 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' में उन्होंने लिखा था "यह आंदोलन उत्तर भारत में केवल एक सर्वमान्य लिपि के प्रचार के लिए नहीं है, यह तो उस आन्दोलन का एक अंग है जिसे मैं राष्ट्रीय आन्दोलन कहूंगा और जिसका उद्देश्य समस्त भारत वर्ष के लिए एक राष्ट्रीय भाषा की स्थापना करना है, क्योंकि सबके लिए समान भाषा राष्ट्रीयता का महत्वपूर्ण अंग है, अतएव अदि आप किसी राष्ट्र के लोगों को एक दूसरे के निकट लाना चाहें तो सबके लिए समान भाषा के बढ़कर सशक्त अन्य कोई माध्यम नहीं है।"

बाल गंगाधर तिलक जहां हिंदी को राष्ट्रभाषा मानते थे वहां देवनागरी को हिंदी की लिपि मानते थे। तिलक ने राष्ट्रीय चेतना को प्रबल करने के लिए सन् 1903 में 'हिन्दी केसरी' नामक पत्रिका का प्रकाशन भी प्रारंभ किया और इस बात का परिचय दिया कि जन साधारण तक अपने विचारों को पहुंचाने के लिए केवल हिंदी ही एक सरल और सशक्त माध्यम है। साथ ही तिलक ने अंग्रेजी की बजाय हिंदी में भाषण देने की परम्परा आरंभ कर अन्य नेताओं के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया।

महात्मा गांधी भाषा के प्रश्न को राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रश्नों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होनें प्रारंभ से हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम की भाषा बनाने के लिए अथक परिश्रम किया। सन् 1917 में उन्होंने एक परिपत्र निकाल कर हिंदी सीखने के कार्य का सूत्रपात किया। गांधीजी की प्रेरणा से 1925 में काँग्रेस ने यह प्रस्ताव पास किया कि कांग्रेस का, काँग्रेस की महासमिति का और कार्यकारिणी समिति

का कामकाज आमतौर पर हिन्दुस्तानी में चलाया जायेगा। इसी का परिणाम था कि सन् 1925 में अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन भरतपुर में हुआ जिसकी अध्यक्षता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने की और उन्होंने हिंदी में बोलकर हिन्दी का प्रबल समर्थन किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने विभिन्न राज्यों में हिंदी-प्रचार करने के लिए नेताओं को जहाँ प्रेरित किया वहीं लोगों के अलग-अलग जत्थे को राज्यों में भेजा। उन्होंने खुद अपने बेटे श्री देवदास गांधी को हिंदी-प्रचार के लिए भारत के दक्षिण में भेजा था। आज़ादी के इस मुहिम में इसे पुनीत कर्तव्य मानकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न हिन्दी-प्रचारक गए। गांधीजी के प्रयत्नों से तमिलनाडु में हिंदी के प्रति ऐसा उत्साह प्रवाहित हुआ कि प्रांत के सभी प्रभावशाली नेता हिंदी का समर्थन करने लगे। यह वह समय था जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जैसे नेता हिंदी के प्रचार को अपना भरपूर सहयोग दे रहे थे।

स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पुरूष के रूप में विख्यात पंडित मदनमोहन मालवीय जी का नाम हिंदी प्रचारकों में बड़े आदर और सम्मान के साथ लिया जाता है। वे न केवल एक महान हिंदीव्रती थे बल्कि हिंदी आंदोलन के अग्रणी नेता भी थे। हिंदी के प्रचार एवं प्रसार और हिंदी के स्वरूप निर्धारण दोनों ही दृष्टियों से उन्होंने हिंदी की अभूतपूर्व सेवा की। यह उन्हीं का प्रोत्साहन, समर्थन और प्रेरणा थी जिसकी बदौलत हिंदी प्रशासन एवं राजकाज की भाषा बनी। 'हिन्दी, हिन्दू और हिन्दुस्तान' की सेवा उनका संकल्प था। उनके सार्वजनिक जीवन की सक्रियता, उनके आदर्श और उनकी योजनाएँ इसी संकल्प से प्रेरित थी। मालवीयजी जीवन-पर्यन्त भारतीय स्वराज्य के लिए कठोर तप करते रहे।

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन की हिंदी सेवा भी अप्रतिम है। वे हिंदी साहित्य सम्मेलन के कर्ताधर्ता थे और उनसे हिंदी प्रचार के कार्य को बड़ी गति मिली। टण्डनजी ने अपना सारा

जीवन हिंदी की सेवा और हिंदी साहित्य की अभिवृद्धि में अर्पित किया। हिंदी को आगे बढ़ाने और राष्ट्रभाषा के रूप में इसे सर्वोत्तम स्थान देने के लिए टण्डन जी ने कठिन परिश्रम किया। इन्होंने 10 अक्टूबर 1910 को वाराणसी के नागरी प्रचारिणी सभा के प्रांगण में हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थापना की। फिर 1918 में उन्होंने 'हिन्दी विद्यापीठ' और 1947 में 'हिंदी रक्षक दल' की स्थापना की। टण्डन जी हिंदी को देश की आज़ादी के पहले आज़ादी प्राप्त करने का' और आज़ादी के बाद 'आज़ादी को बनाये रखने का' साधन मानते थे। उन्होंने हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने बहुत ही आकर्षक ढंग से हिंदी भाषा के महत्व को बताया ताकि सबके मन में हिंदी भाषा के लिए प्रेम जाग जाए और देशभर में हिंदी का ही प्रचार-प्रसार हो। उन्होंने बहुत ही सरल ढंग से हिंदी को प्रगति के मार्ग पर लाने का प्रयास किया।

राष्ट्रीय नेताओं में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की हिंदी सेवा से कौन परिचित नहीं है। भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष के रुप में हिंदी को उचित स्थान दिलाने का श्रेय डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को ही है। उन्होंने ही भारतीय संविधान की भारतीय भाषाओं में परिभाषिक कोष तैयार करवाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। भारत के प्रथम राष्ट्रपति के पद से उन्होंने जो हिंदी की सेवा की उसका विशेष महत्व है और उनके कार्यकाल में सरकारी स्तर पर हिंदी को मान्यता मिली।

"यदि भारत में प्रजा का राज चलाना है, तो वह जनता की भाषा में चलाना होगा" इन शब्दों में जनता की भाषा की वकालत करने वाले काका कालेलकर जी का नाम हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास में अतुलनीय योगदान देने वालों में आदर के साथ लिया जाता है।

श्री केशवचन्द्र सेन पहले ऐसे राष्ट्रीय नेता थे जिन्होने 'राष्ट्रभाषा हिंदी' के महत्व को हृदय से समझा और स्वीकार किया। साथ ही, भारत को एकता के सूत्र में बांधने की दृष्टि से सभी से यह आह्वान किया कि सब हिंदी को आत्मसात करें क्योंकि हिंदी हमारे देश की आत्मा है। उन्होने हिंदी के प्रचार- प्रसार हेतु हर संभव प्रयास किया। उनका मानना था कि हमारा प्राथमिक उद्देश्य है अपनी बात को आखिरी व्यक्ति तक पहुँचाना और इस देश में आखिरी व्यक्ति तक संदेश पहुँचाने का सरलतम मार्ग है।

यहां हमने हिंदी के प्रचार प्रसार एवं उसे राजभाषा के रूप में स्थान दिलाने वाले कुछ प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं एवं स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का संक्षिप्त उल्लेख किया है। इसके अतिरिक्त अन्य बहुत से महत्वपूर्ण नेताओं के नाम इस आहूति में शामिल है जिन्होंने हिंदी का प्रबल समर्थन किया और हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

हिंदी सबसे सरल और सुन्दर भाषा है इसकी ख़ास बात यह है कि जिस तरह से इस भाषा का उच्चारण होता है उसी प्रकार से इसे लिखा भी जाता है जबकि बाकि की भाषाओं में ऐसा नहीं होता है।

रेलटेल दक्षिणी क्षेत्र की गतिविधियाँ

- जनवरी 2022 में, रेलटेल को यूटीआई आईटीएसएल के लगभग 164 वीएम को रेल क्लाउड में स्थानांतरित करने के लिए 14.5 करोड़ रुपये का पीओ प्राप्त हुआ। इस पीओ के लिए अनुबंध की अवधि 3 वर्ष है। यह VMs की संख्या के मामले में सबसे बड़े क्लाउड परिनियोजन में से एक है।
- चेन्नई में Google पीयरिंग को 40G से 100G में अपग्रेड किया गया साथ ही नया 200G फेसबुक पीयरिंग चालू किया गया।
- जीओसी/टीपीजे गोल्डन वर्कशॉप, त्रिची (102 कैमरे) में सीसीटीवी सिस्टम का उद्घाटन एजीएम/एसआरएल द्वारा 24.03.2022 को किया गया है। इसमें डीआरएम/एमएएस और सीडब्ल्यूएम/जीओसी/टीपीजे ने भी भाग लिया।
- MPLS BB MAS से SBC और MAS से TPJ तक 100G से 200G में अपग्रेड किया गया।
- चेन्नई में 100जी अमेज़ॅन पीयरिंग को कमीशन किया गया।
- दिनांक 18.05.2022 को चेन्नई में आयोजित राजभाषा संसदीय समिति का निरीक्षण कार्य सम्पन्न किया गया और समिति से प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- **टीपास कार्यक्रम:** रेलटेल द्वारा दिनांक 26-05-2022 को नेहरू स्टेडियम में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री उद्घाटन समारोह में अन्य दूरस्थ स्थानों (काटपाड़ी, कन्याकुमारी , रामेश्वरम, थेनी, मदुरै, तेम्बुरु और एग्मोर) के लिए वीसी की व्यवस्था की गई।

(दिनांक 26.05.2022 को केपीडी, सीएपीई, आरएमएम, थेनी, एमडीयू, टीबीएम, एग्मोर में प्रधानमंत्री उद्घाटन समारोह)

(दिनांक 21-05-2022 को दक्षिण पश्चिम रेलवे के साथ हुई बैठक)

- भारतीय रेलवे पर अपनी तरह का पहला आईपीएमपीएलएस कनवर्जड नेटवर्क ऑर्डर एसडब्ल्यूआर से रेलटेल द्वारा प्राप्त किया गया है, ऑर्डर की कीमत 107 करोड़ है।

- परियोजना, पीसीएसटीई/एसडब्ल्यूआर, सीएसटीई/प्रोजेक्ट्स/एसडब्ल्यूआर, ईडी/आरसीआईएल/एसआर, जीजीएम/पीओएम/एसआर और टीएम/एसबीसी की उपस्थिति में हुबली, दपरे मुख्यालय में एक बैठक के साथ शुरू हुई।

- रेलटेल /दक्षिण क्षेत्र कार्यालय का संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 18-06-2022 को निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान समिति ने दक्षिण क्षेत्र में राजभाषा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा इस दो दिवसीय (17-06-2022 एवं 18-06-2022) निरीक्षण कार्यक्रम जिसमें हैदराबाद स्थित केंद्र सरकार के कुल 14 कार्यालयों/उपक्रमों का निरीक्षण किया गया, के समन्वय की ज़िम्मेदारी भी रेलेटेल/दक्षिण क्षेत्र कार्यालय को ही सौंपी गई थी जिसका रेलटेल/दक्षिण क्षेत्र के कार्मिकों एवं अधिकारियों ने भली-भांति निर्वहन किया जिसकी समिति द्वारा प्रशंसा की गई। समिति के संयोजन का कार्य माननीय श्री प्रदीप टम्टा जी ने किया।

- जनवरी से जून माह की अवधि के दौरान कुल 134.88 करोड़ के पेऑर्डर प्राप्त किए गए है जिनमें एसडब्ल्यूआर से प्राप्त किया गया ऑर्डर भी शामिल है । इसी अवधि में रेलवायर से 81.58 करोड़ का रेवेन्यू प्राप्त हुआ है ।

दक्षिणी क्षेत्र में आयोजित योग दिवस की झलकियां

साइबर सुरक्षा एवं साइबर जागरुकता

इंटरनेट या साइबर स्पेस हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। साइबर स्पेस हमें वस्तुतः दुनिया भर के करोड़ों ऑनलाइन लोगों व उपयोगकर्ताओं से जोड़ता है। साइबर स्पेस पर बढ़ती निर्भरता के साथ-साथ, साइबर अपराध भी हमारे जीवन में बढ़ रहे हैं। जब हम साइबर सुरक्षा के बारे में बात करते हैं, तो हम इसका जिक्र कर रहे होते हैं कि लोग ऑनलाइन खतरों से खुद को कैसे बचा सकते हैं।

साइबर अपराध से बचने के लिए सभी उपयोगकर्ताओं को अपनी सुरक्षा के लिए सबसे पहले जागरुक होने की आवश्यकता है। इस क्रम में रेलटेल ने कर्मचारियो के लिए साइबर जागरूकता को बढ़ाने के लिए भी बहुत सी पहल की हैं जिनमें साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण एक मुख्य गतिविधि है। कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण का प्राथमिक उद्देश्य साइबर खतरों से बचाव के लिए उन्हें ज्ञान से लैस और परिचित कराना है। कर्मचारी जो साइबर हमलों से बचाव के बारे में जानते हैं, वे बेहतर सुरक्षा निर्णय लेने में सक्षम होते हैं और स्वयं के साथ-साथ संगठन की भी रक्षा करते हैं।

रेलटेल एक आईसीटी कंपनी होने के नाते पहले से ही साइबर सुरक्षा उपायों पर कार्य कर रही है और अपने ग्राहकों को सॉक (सुरक्षा संचालन केंद्र) सेवाएँ प्रदान कर रही है। साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण के अलावा, कर्मचारियों को सतर्क रखने के लिए, रेलटेलसॉक टीम नकली (फेक) साइबर हमले जैसे नकली स्पैम मेल, फ़िशिंग प्रयास आदि करती रहती है जो रेलटेल कर्मचारियों पर वास्तविक साइबर हमले को रोकने में मदद करता है।

देश भर में साइबर घटनाओं को रोकने के लिए, 'साइबर स्वच्छता' पर जनता के बीच निरंतर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता महसूस की गई है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की पहल के तहत, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और रेलवे बोर्ड के निर्देश के तहत, रेलटेल सहित सभी पीएसयू हर महीने के पहले बुधवार को साइबर जागरूकता दिवस (सीजेडी) के रूप में मनाएंगे।

साइबर जागरूकता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हर महीने

एक ही दिन और एक ही समय पर कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, इंटरैक्टिव सत्रों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं, सर्वोत्तम प्रथाओं, केस स्टडी, रचनात्मक सत्रों के माध्यम से साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता पैदा करना है।

रेलटेल में साइबर जागरुकता दिवस

रेलटेल अपनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा के माध्यम से पैन इंडिया में अपने कर्मचारियों के साथ साइबर जागरुकता दिवस मना रहा है। इसके तहत, सभी कर्मचारियों को साइबर स्वच्छता की आवश्यकता और गृह मंत्रालय द्वारा की गई पहल और इसके आगामी पालन में शामिल किए जाने वाले विषयों के बारे में जानकारी दी गई। कर्मचारियों को साइबर खतरों के अस्तित्व और उनसे बचने के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में प्रस्तुतिकरण और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से जागरूक किया गया। रेलटेल ने "साइबर जागरुकता (सोशल मीडिया)" विषय पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता शुरू की है जिसमें कर्मचारी अपने परिवार के सदस्यों के साथ भाग ले सकते हैं। रेलटेलसॉक टीम हर दूसरे दिन अपने कर्मचारियों के साथ ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से "साइबर जागरुकता टिप ऑफ द डे" साझा करती है। इसके अलावा रेलटेल ने अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सेमिनार, कार्यशालाओं, प्रश्नोत्तरी और प्रतियोगिताओं के माध्यम से साइबर स्वच्छता के बारे में लोगों को जागरूक करते रहें।

रेलटेल का उदेश्य अपने सभी कर्मचारियों को साइबर योद्धा बनाना है जो अपने, अपने परिवार व अपने आस पास के लोगों को साइबर दुर्घटनाओं से बचाने के लिए जागरूक करेंगे व देश भर में साइबर सुरक्षा की सेवाओं को प्रदान करके देश की प्रगति में अहम योगदान करेंगे ।

—रेलटेल सॉक टीम

रेलटेल राजभाषा की झलकियां

दिनांक 23 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रेलटेल ने वेबेक्स के माध्यम से "आपके संघर्षों / उपलब्धियों पर चर्चा" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया । संगोष्ठी में रेलटेल (पैन इंडिया) की महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान गणतंत्र दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर दिनांक 25.01.2022 को हिंदी संगोष्ठी, काव्य/गजल/देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का वर्चुअल आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक की भूमिका में उपस्थित श्रीमती रुचिरा चटर्जी, महाप्रबंधक/प्रशासन एवं सुरक्षा, श्रीमती मधुलिका पाठक, महाप्रबंधक/वित्त एवं श्री मनोज टंडन, महाप्रबंधक/विपणन रहे। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर दिनांक 8 मार्च 2022 को कॉर्पोरेट कार्यालय में महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कॉर्पोरेट कार्यालय के साथ टीपी के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालय एवं टेरीटरी के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस विशेष अवसर पर महिला दिवस विशेषांक के रूप में "अपराजिता" पत्रिका का हिंदी में सचित्र प्रकाशन किया गया । पत्रिका का विमोचन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला के कर कमलों से किया गया।

रेलटेल प्रगति माही पत्रिका का विमोचन करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

रेलटेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 31 मार्च 2022 को 30वीं बैठक के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने रेलटेल में अभिकल्पित एवं विकसित की गई ई-पुस्तकालय का उदघाटन और रेलटेल छ:माही गृह राजभाषा पत्रिका 'रेलटेल प्रगति' के पांचवे अंक का विमोचन भी किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने ई-पुस्तकालय के सृजन के किए गए प्रयासों की सराहना की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

रेलटेल ई-पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पुनीत चावला

रेलटेल ई-पुस्तकालय

दिनांक 29.06.2022 को 31 मार्च 2022 को समाप्त तिमाही अवधि की रेलटेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती अरूणा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर रेलटेल गतिविधियां न्यूज लेटर का अप्रैल-जून 2022 अंक का विमोचन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर रेलटेल के सभी वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे एवं क्षेत्रीय कार्यालय एवं टेरीटरी के अधिकारीगण भी टीपी के माध्यम से उपस्थित थे।

योग

सुधीर कुमार
सहायक इंजीनियर, छोटा उदयपुर, गुजरात

योग एक अभ्यास है जो मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और सामाजिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास के आठ स्तरों पर काम करता है। जब तक शारीरिक स्वास्थ्य बरकरार है तब तक मन स्पष्ट और केंद्रित रहता है। योग के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं:

1. शारीरिक स्वास्थ्य
2. मानसिक स्वास्थ्य
3. आध्यात्मिक स्वास्थ्य
4. स्वयं का अहसास
5. सामाजिक स्वास्थ्य

नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के कारण

योग एक कला है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ता है और हमें मजबूत और शांतिपूर्ण बनाता है। योग आवश्यक है क्योंकि यह हमें फिट रखता है, तनाव को कम करने में मदद करता है और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखता है और एक स्वस्थ मन ही अच्छी तरह से ध्यान केंद्रित करने में सहायता कर सकता है।

योग महत्वपूर्ण है क्योंकि योग का अभ्यास करके आप निम्न बिंदुओं पर लाभ प्राप्त कर सकते हैं:

आंतरिक शांति : योग आंतरिक शांति प्राप्त करने और तनाव तथा अन्य समस्याओं के खिलाफ लड़ाई में मदद करता है। योग एक व्यक्ति में शांति के स्तर को बढ़ाता है और उसके आत्मविश्वास को और अधिक बढ़ाने तथा उसे खुश रहने में मदद करता है।

स्वास्थ्य : एक स्वस्थ व्यक्ति एक अस्वस्थ व्यक्ति की तुलना में अधिक काम कर सकता है। आजकल जीवन बहुत तनावपूर्ण है और हमारे आसपास बहुत प्रदूषण है। यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण है। सिर्फ 10-20 मिनट का योग हर दिन आपके स्वास्थ्य को अच्छा रहने में मदद कर सकता है। बेहतर स्वास्थ्य का मतलब बेहतर जीवन है।

सक्रियता : आजकल लोग आलसी, थके हुए या नींद की कमी महसूस करते हैं जिसके कारण वे अपने जीवन में अधिकतर मौज-मस्ती से चूक जाते हैं और अपने काम को सही ढंग से पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। सक्रियता होने के

नाते आप अपने आसपास होने वाली चीजों के बारे में अधिक जागरूक रहते हैं और अपने काम को अधिक कुशलतापूर्वक और जल्दी से पूरा कर पाते हैं यह सब करने का एक तरीका नियमित रूप से योग का अभ्यास करना है।

लचीलापन : लोग आजकल कई प्रकार के दर्द से ग्रस्त हैं। वे पैर की उंगलियों को छूने या नीचे की ओर झुकने के दौरान कठिनाइयों का सामना करते हैं। योग का नियमित अभ्यास इन सभी प्रकार के दर्द से राहत में मदद करता है। योग करने से इन सभी चीजों का प्रभाव कुछ दिनों में कम होता देखा जा सकता है।

रक्त प्रवाह बढ़ाएं : योग आपके दिल को स्वस्थ बनाने में मदद करता है और यह आपके शरीर और नसों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाकर अधिक कुशलता से काम करता है। यह आपके शरीर को ऑक्सीजन युक्त रखने में मदद करता है।

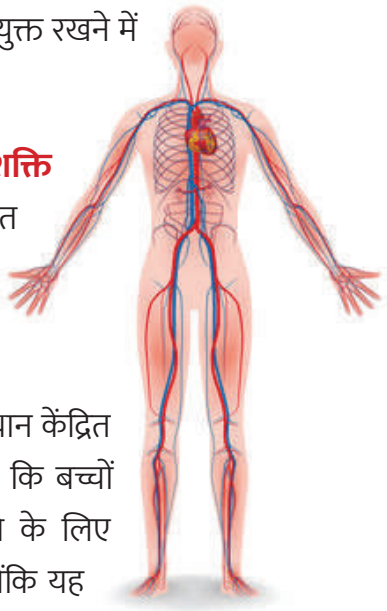

ध्यान केंद्रित करने की शक्ति : योग आपके शरीर को शांत करने और आराम करने में मदद करता है जिसका मतलब तनाव का कम होना है और आप अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकते है। यही कारण है कि बच्चों और किशोरों को योग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है क्योंकि यह उनकी पढ़ाई में बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मो. फैसल
निजी सहायक/महाप्रबंधक/आई.टी.पी.

आजादी का अमृत महोत्सव मिलकर सभी को मनाना है
भारत माता के गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।

ऐसे नहीं मिली आजादी कीमत बडी चुकाई है
भारत की आजादी को पाने में अनगिनत जान गँवाई है।

याद करें उन बलिदानों को झुककर शीश नवाना है
भारत माता के गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।

आत्मनिर्भर बने हम यह दुनिया को दिखलाना है
नित्य नए आयाम बनाकर हमको यह समझाना है ।

भारतमाता के गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।
हमले की कोई करे न हिम्मत यह दृढ शक्ति बनाना है
भारत माता के गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।

याद करें उस बलिदानी को जिसके लिए शहीद हुए
भारत माता की खातिर देश के लिए अमर हुए

आजादी के पचहत्तर साल को उत्सव के रूप में मनाना है
भारत माता के गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है।

जय हिंद

रेलटेल द्वारा "रेलवायर सतरंग" का शुभारंभ

रेल मंत्रालय के मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम रेलटेल ने 7 जुलाई 22 को "सतरंग" लॉन्च किया। अपनी लोकप्रिय रिटेल ब्रॉडबैंड सेवा "रेलवायर" के ग्राहकों को ब्रॉडबैंड योजनाओं के साथ ओटीटी (ओवर-द-टॉप) सेवाएं प्रदान करने के लिए नए ब्रॉडबैंड की पेशकश की है, रेलटेल की खुदरा रिटेल ब्रॉडबैंड सेवा जिसके पूरे भारत में 4.67 लाख से अधिक एफटीटीएच उपभोक्ता हैं। रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवा काफी सस्ती है। यह देश भर में उपलब्ध हैं और 48% से अधिक उपभोक्ता अर्धशहरी/ ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध है।

"रेलवायर सतरंग" एक व्यापक ब्रॉडबैंड पैकेज है जो ओटीटी मनोरंजन सामग्री स्ट्रीमिंग पर नए युग के डिजिटल अनुभव को परिभाषित करता है और यह रेलवायर ग्राहकों के लिए मूल्य वर्धित सेवा (वीएएस) के रूप में पेश किया गया है।

रेलवायर उपभोक्ताओं को कुल 13 ओटीटी सेवाएं, जो वास्तव में असीमित ब्रॉडबैंड योजनाओं "रेलवायर सतरंग" कैनवास अर्थात् अमेज़ॅन प्राइम, डिज़नी+हॉटस्टार, ज़ी5, सोनी लिव, इरोसनाउ, सन नेक्स्ट, अहा तेलुगु, ऑल्ट बालाजी, एपिकॉन, एमएक्सप्लेयर, वूट, हंगामा मूवीज और टीवी शो और हंगामा म्यूजिक प्रो के साथ-साथ 150 से अधिक टीवी चेनल पर सेवाएं प्रदान की जाएगी ।

"मनोरंजन कैनवास के पूर्ण स्पेक्ट्रम के साथ, रेलवायर सतरंग मल्टीचैनल, मल्टी-स्क्रीन, मल्टी-रीजनल, मनोरंजन के डिजिटल अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

ऑप्टिकल फाइबर के 61000 रूट किलोमीटर से अधिक मजबूत नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो टियर III डेटा सेंटर हैं और दूरसंचार और इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के अलावा व्यापक आईसीटी समाधान प्रदान करते हैं। रेलटेल ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तत्परता से कार्य कर रहा है और डिजिटल इंडिया विजन की सहायता के लिए दूरसंचार और आईटी क्षेत्रों में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए रेलटेल को चुना गया है। रेलटेल भारतीय रेलवे के साथ मिलकर 6100 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाईफाई को चालू करके रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने के लिए कार्य कर रहा है और सुरक्षा में सुधार और सूचना प्रदान करने के लिए और अधिक पहल करेगा।

स्वास्थ्य और योग

संजीव कुमार मिश्रा
वरिष्ठ प्रबंधक

प्रस्तावना

योग संस्कृत शब्द, 'यूयूजे' से आता है। इसका अर्थ है जुड़ना, जुड़ना या एकजुट होना। यह सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का मिलन है। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शन है। इसका उल्लेख सबसे पुराने पवित्र ग्रंथ में किया गया था – ऋगवेद (वेद मंत्रो, आध्यात्मिक जानकारी, गीतों और अनुष्ठानों से युक्त ग्रंथों का एक संग्रह था, जिसका उपयोग ब्राह्मण, वैदिक पुरोहित करते थे। भारतीय समाज में हजारों वर्षों से योग का अभ्यास किया जा रहा है। योग करने वाला व्यक्ति एक आसन से दूसरे आसन की ओर बढ़ेगा। योग उन लोगों को फायदा पहुंचाता है जो इसका नियमित अभ्यास करते हैं। योग में किए गए अभ्यास के रूप को 'आसन' कहा जाता है जो शरीर और मन की स्थिरता लाने में सक्षम हैं। योग आसन हमारे अतिरिक्त वजन को कम करने और फिट रखने का सबसे सरल और आसान तरीका है।

योग का मूल

योग का जन्म प्राचीन भारत में हजारों साल पहले हुआ था, पहले धर्म या विश्वास प्रणाली का जन्म हुआ था। ऐसा माना जाता है कि शिव प्रथम योगी या आदियोगी और प्रथम गुरु हैं। हजारों साल पहले हिमालय में कांतिसरोवर झील के तट पर, आदियोगी ने अपने ज्ञान को महान सात ऋषियों में साझा किया था, क्योंकि उनके सभी ज्ञान और ज्ञान को एक व्यक्ति में रखना कठिन था। ऋषियों ने इस शक्तिशाली योग विज्ञान को एशिया, उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में ले गए। भारत अपनी सम्पूर्ण अभिव्यक्ति में योग प्रणाली को पाकर धन्य है।

सिंधु-सरस्वती सभ्यता के जीवाश्म अवशेष प्राचीन भारत में योग की उपस्थिति का प्रमाण हैं। इस उपस्थिति का लोक परंपराओं में उल्लेख मिलता है। यह सिंधु घाटी सभ्यता, बोद्ध और जैन परंपराओं में शामिल है। अध्ययनों के अनुसार, एक गुरु के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में योग का अभ्यास किया जा रहा था और इसके आध्यात्मिक महत्व को बहुत अधिक महत्व दिया गया था। वैदिक काल के दौरान सूर्य को सबसे अधिक महत्व दिया गया था और बाद में सूर्यनमस्कार का आविष्कार कैसे किया गया था।

हालाँकि, महर्षि पतंजलि को आधुनिक योग के पिता के रूप में जाना जाता है। उन्होंने योग का आविष्कार नहीं किया क्योंकि यह पहले से ही विभिन्न रूपों में था। उन्होंने इसे व्यवस्था में

आत्मसात किया। उन्होंने देखा कि किसी भी सार्थक तरीके से इसे समझने के लिए यह काफी जटिल हो रहा था। इसलिए उन्होंने सभी पहलुओं को एक निश्चित प्रारूप में आत्मसात किया और योग सूत्र में शामिल किया।

आसन या योगासनों के अभ्यास में सांस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। सांस एक महत्वपूर्ण शक्ति है और हमारे शरीर की ऑक्सीजन की आवश्यकता हमारे कार्यों के आधार पर बदलती है। यदि हम व्यायाम करते हैं तो हमें अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है इसलिए साँस लेना तेज़ हो जाता है और यदि हम आराम कर रहे होते हैं तो हमारी साँस आराम और गहरी हो जाती है। योग में , ध्यान को धीमी गति से चलने के साथ-साथ पूरा आसन करते हुए सांस पर एकीकृत किया जाता है। योग अभ्यास के दौरान चिकनी और आराम से साँस लेना और साँस छोड़ने को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष

योग केवल आंशिक रूप से आसन तक सीमित होने के रुप में समझा जाता है। लेकिन लोग शरीर, मन और सांस को एकजुट करने में दिए जाने वाले अपार लाभों को महसूस करने में असफल रहते हैं। योग को किसी भी आयु वर्ग और किसी भी शरीर के आकार द्वारा चुना और अभ्यास किया जा सकता है। किसी के लिए भी शुरु करना संभव है। आकार और फिटनेस स्तर अलग-अलग लोगों के अनुसार हर योग आसन के लिए संशोधन नहीं हैं।

ईश्वर की महिमा

हिमांशु
तकनीकी कार्यकारी, कॉर्पोरेट कार्यालय

रह रहकर टूटता रब का कहर
खंडहरों में बदलते हमारे शहर
सिहर उठता है बदन
देख आतंक की लहर
आघात से पहली उबरे नहीं
तभी होता प्रहार ठहर ठहर
कैसी उसकी लीला है
अपराधी जब अपराध करे

हुआ अत्याचार अविरल
इस जगत जननी पर पहर –पहर
कितना सहती, रखती संयम
आवरण पर निश दिन पड़ता जहर

हुई जो प्रकति संग छेड़छाड़
उसका पुरस्कार हमको पाना होगा
लेकर सीख आपदाओं से
अब तो दुनिया को संभल जाना होगा
कर क्षमायाचना धरा से
पश्चाताप की उठानी होगी लहर
शायद कर सके हर्षित
जगपालक को, रोक सके जो वो कहर
बहुत हो चुकी अब तबाही
बहुत उजड़े घरबार,शहर
कुछ तो करम करो ऐ ईश
अब न ढहाओ तुम कहर !!
अब न ढहाओ तुम कहर !!

जो भी करें, मन से करें

नितिन हुंडैत
ओ.एस.डी/सी.एम.डी

किशोर कुमार का गाया हुआ बड़ा ही प्रचलित गीत है **"दुनिया में रहना है तो काम करो प्यारे... खेल कोई नया, सुबह शाम करो प्यारे..."** जब तक ये जीवन है, तब तक हमें कोई न कोई काम लगा रहता है। अगर हमारे काम खत्म हो गये या हम किसी पर आश्रित हो गये तो इस जीवन का कोई मतलब नहीं है। इसलिए, अपने आपको अनुशासित रखते हुए हमें ईमानदारी के साथ अपने काम को करते रहना चाहिए।

स्वयं को पहचाने और सम्मान करें

क्योंकि अगर आप ही खुद को नहीं पहचान पा रहे हैं तो बाकी दुनिया से इसकी उम्मीद रखना व्यर्थ है। कहते हैं कि सभी में कोई न कोई एक बात खास, सबसे अलग होती है। हमें अपनी उसी खूबी, शौक के हिसाब से आगे बढ़ना चाहिए और उस बात के लिए हमें खुद पर गर्व होना चाहिए। यदि हम खुद को ही श्रेष्ठ नहीं मानते तो दूसरे कैसे मानेंगे।

सकारात्मक सोच

हमेशा जीवन को सकारात्मक रूप में लें। जीवन के प्रति सकारात्मक रवैया आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और जीवन के कठिन समय में साहस भी देता है। सकारात्मक सोच, आगे आने वाले मार्ग को प्रशस्त करती है और हम जीवन को एक नये दृष्टिकोण से देख पाते हैं।

जीवन से कभी हार न मानें

हार और जीत जिंदगी के दो पहलू हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी खुशी को भरपूर जियें और जीवन को अपने अनुसार जियें। कभी भी स्वयं को किसी के आगे न झुकाएं, आप हार से हार मानकर निराश न हो जायें। शारीरिक शक्ति से ज्यादा जरूरी है आपका मानसिक रूप से मजबूत होना **'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'**। जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। जब हम किसी कार्य के शुरु में ही हार मान लेतें हैं तो हम सचमुच में ही हार जाते हैं।

मन में असुरक्षा की भावना न लाएं

हमें अपने मन की दृढ़ता बनाकर रखनी चाहिए। मन में न कभी असुरक्षा की भावना लानी चाहिए और न ही किसी को देखकर असुरक्षित महसूस करना चाहिए। असुरक्षित मन कभी भी सही रास्ते पर नहीं लेकर जा सकता है। इसलिए किसी की नकल किये बिना स्वयं की असल पहचान बनें।

सामाजिक सरोकार बनाये रखें

अपने जीवन को सहज, सरल और जीवंत बनाने में सामाजिक रिश्तों का बहुत महत्व है। एक दूसरे के प्रति, धर्म के प्रति, कार्य के प्रति, परस्पर सद्भाव, आदर सहयोग एक बेहतर समाज का निर्माण करता है। समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है कि समाज के प्रति कुछ करे और अपनी भूमिका निभाए।

आप चाहे किसी भी काम को करें परंतु इसमें अपनी पसंद और नापसंदगी का जरूर ख्याल रखें। अपनी सृजनात्मकता को मरने न दें तथा लगातार इस ओर अग्रसर बने रहें। यही आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। साथ ही, यही तटस्थता आपको अलग पहचान दिलायेगी।

अपने आत्मसम्मान को कभी मरने न दें।
जो भी करें, मन से करें।

सुंदर सेहत की सर्वोत्तम दवा है योग

उषा रानी अखौरी
उप महाप्रबन्धक, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, राँची, झारखण्ड।

योग के महत्व को समझते हुये दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरूआत हुई। भारतीय संस्कृति ने विश्व को बहुत कुछ दिया जिनमें योग विद्या भी एक है। योग भारतीय संस्कृति की धरोहर है। स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को देखते हुये अब पूरी दुनिया इसे अपना रही है। यह केवल तन ही नहीं मन को भी स्वस्थ बनाये रखता है।

आधुनिक मेडिकल साइंस योग के महत्व को स्वीकार कर चुका है, अमेरिका और यूरोपीय देशों के विश्वविद्यालयों में योग से मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव पर अनेक शोध एवं अध्ययन हो चुके हैं और जारी भी है। मिसाल के तौर पर अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियंस ने अपने एक अध्ययन के बाद निष्कर्ष निकाला है कि कमर के निचले भाग और गर्दन दर्द की प्रारंभिक अवस्था में योगासनों के अभ्यास से पीड़ित व्यक्ति को राहत मिलती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (एम्स) ने अब तक हुए विभिन्न शोध व अध्ययनों से निष्कर्ष निकाला है कि विभिन्न रोगों में दवाओं के साथ विभिन्न योग क्रियाएं पीड़ित व्यक्ति को पूरक चिकित्सा के रूप में लाभ पहुंचा सकती है। माईग्रेन और मधुमेह टाईप-2 को नियंत्रित करने में दवाओं और खानपान के अलावा योग अत्यन्त लाभप्रद है। मस्तिष्क को तनाव रहित या शांत रखने में मेडिटेशन की प्रमुख भूमिका है। जो लोग पहले से योग कर रहे हैं, उनमें हाई बी०पी० व हृदय रोग की आशंका कम देखी गयी है।

योग से संभव हृदय रोगों से बचाव:- उच्च रक्त चाप और हृदय रोगों को नियंत्रित करने में योग की भूमिका 'प्रीवेंटिव' है। योग स्वास्थ्य जीवनशैली का अंग है। उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का मुख्य कारण तनाव है, जो अस्वास्थ्यकर जीवनशैली का दुष्परिणाम है। इस लिहाज से देखे तो योगासन, प्राणायाम और मेडीटेशन को जीवनशैली में शामिल कर हम काफी हद तक हृदय रोग से बचे रह सकते हैं। अस्वास्थ्यकर जीवन शैली के कारण हृदय धमनियाँ अवरूद्ध होने की स्थिति में ज्यादातर मामलों में एंजियोप्लास्टी और कुछ मामलों में बाईपास सर्जरी की जरूरत पड़ती है। इन स्थितियों में ट्रीटमेन्ट कराना पड़ेगा, ऐसे ट्रीटमेन्ट के बाद हृदय को स्वस्थ रखने में योग की भूमि को नकारा नहीं जा सकता है।

जोड़ों के लिये करे त्रिकोणासन:- अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, की वजह से ज्यादातर लोग की हड्डियाँ कमजोर हो जाती हे, जोड़ों के दर्द की समस्या को रोजाना योगासन करके दूर किया जा सकता है। आयु और शारीरिक स्थिति के अनुसार उपयुक्त योगासन और प्राणायाम जोड़ों के लिये लाभप्रद माना जाता है। त्रिकोणासन से घुटनों और टखनों में मजबूती आती है।

रीढ़ को सशक्त बनाता है योग:- नियमित तौर पर योग करने से रीढ़ की हड्डी (स्पाईन) से संबंधित समस्याएं अपेक्षाकृत कम होती है। योग करने से रीढ़ की संरचना सही रहती है और उसमें स्थित जैल आवश्यकता मात्रा में मौजूद रहती है। इस कारण रीढ़ में लचीलापन बना रहता है। बढ़ती उम्र में रीढ़ में हड्डियों के ज्वाईंट में कड़ापन

आने लगता है, जिसके कारण स्पांन्डिलाईसिस की समस्या होने का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन योग करने से यह प्रक्रिया विलंबित या डिले हो जाती है। हड्डियों को मजबूती के लिये पैराफॉर्मोन नामक हारमोन आवश्यक है, जो लोग योग करते हैं, उनकी हड्डियों में पैराफॉर्मोन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

अंत में योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है। वास्तव में योग का अर्थ अपने अंदर के देवत्व गुणों को जागृत करना है, यह प्राणों से मन को जोड़ने की प्रक्रिया है। योग मनुष्य को अपने मन को स्थिर करने और ध्यान करने में मदद करता है। योग मन को एकाग्र करने, बौद्धिक विकास करने, इच्छा शक्ति को नियंत्रित कर, आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में मददगार है। इससे मनुष्य काम, क्रोध वेग-आवेग को नियंत्रित कर सकता है। अपने मन की शुद्धि कर जीवन को मानवता के लिये समर्पित कर सकता है।

रहो निरोग करो योग

सीमा कालरा
प्रधान निजी सचिव/सी एम डी

सबसे पहले इस दुनियाँ को
योग सिखाया भारत ने
योग है एक अद्भुत शक्ति
अहसास कराया भारत ने

तनाव को भगाता योग
एकाग्रता लाता योग
उलझनों को सुलझाता योग
मन की शांति का मार्गदर्शक योग

बीमारियों का विनाशक योग
नई जीवन की ज्योति योग
तपस्वियों की खोज योग
जीवन में प्रेरणा लाए योग

योग का बस उद्देश्य यही है
ये अनमोल शरीर ना बिगड़े
थोड़ी से कसरत करने से
जिस्म को कोई रोग ना पकड़े

योग है एक अद्भुत शक्ति
अहसास कराया भारत ने
ये सच है मानव जीवन का
सर्वोत्तम व्यायाम है योग

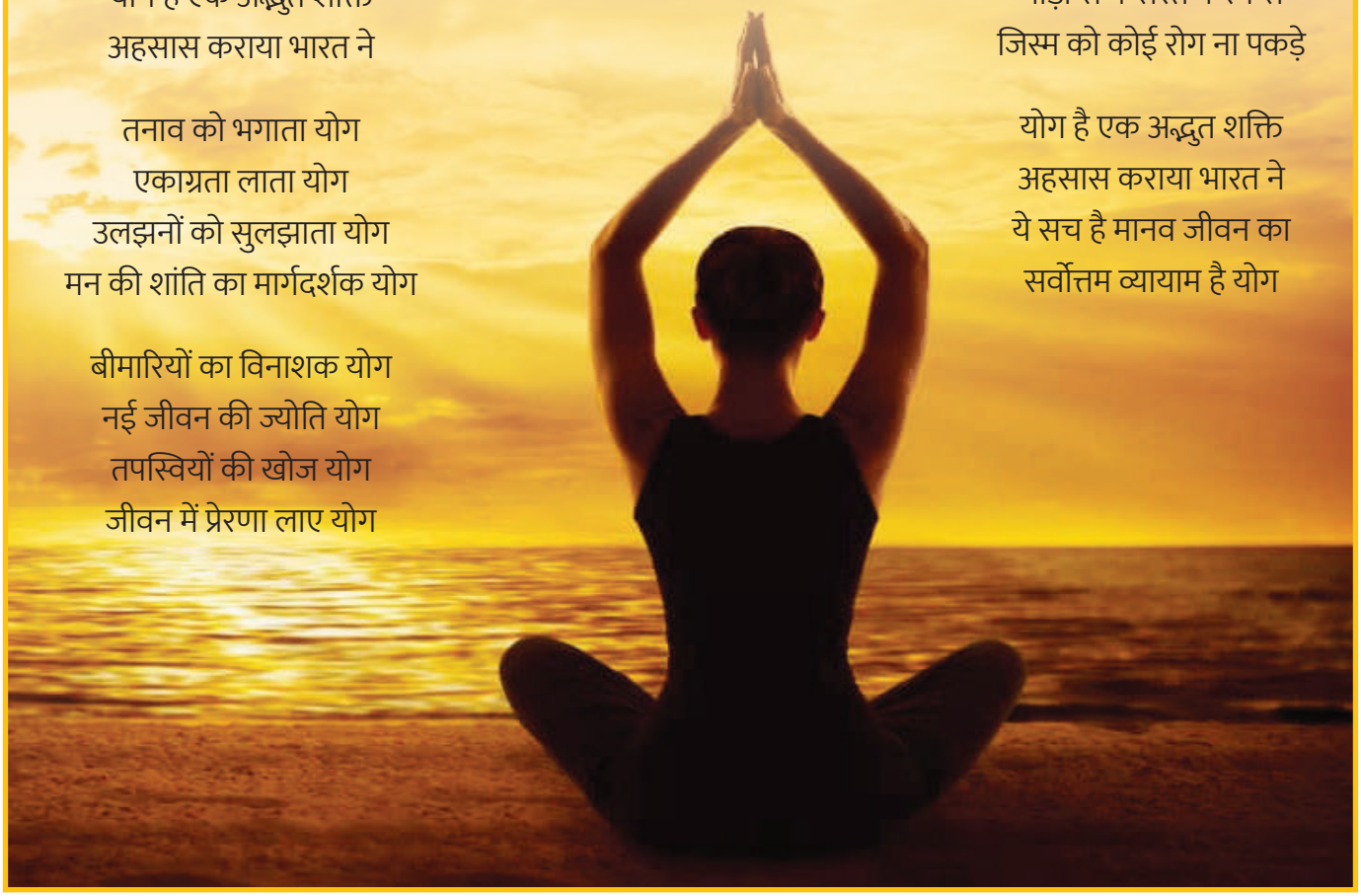

अधिकारियों द्वारा फाइलों पर दी जाने वाली टिप्पणियाँ

Administrative approval may be obtained	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए
Administrative approval is accorded	प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान किया जाता है.
Put up draft reply	उत्तर का मसौदा प्रस्तुत करें
Fix a date for meeting	बैठक की तिथि तय करें
Delay should be avoided	विलंब न होने दें.
Please comment on the technical suitability of all the offers	कृपया सभी प्रस्तावों की तकनीकी उपयुक्त पर टिप्पणी करें
Please comply	कृपया अनुपालन करें.
Payment to be arranged	भुगतान की व्यवस्था करें
Budget provision exits	बजट में व्यवस्था है
Submitted for perusal & further orders please	अवलोकन एवं अगले आदेशों के लिए कृपया प्रस्तुत
Discrepancy may be reconciled	विसंगति का समाधान किया जाए
Administrative action may be taken	प्रशासनिक कार्रवाई की जाए
Consolidated report may be furnished	समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए
Close the case	मामला बंद कर दें
Acknowledge receipt of the letter	पत्र की पावती भेजें
Address to all concerned	सर्व संबंधित को लिखा जाए
Approved 'A' & 'B' only	केवल 'क' व 'ख' अनुमोदित
I agree with 'A' above	मैं ऊपर 'क' से सहमत हूँ
Permission granted	अनुमति प्रदान की जाती है
Redraft please	मसौदा पुन: प्रस्तुत करें
Please attach relevant papers	संबंधित कागज साथ लगाएं
Consolidated report may be furnished	समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए
Orders may be issued	आदेश जारी कर दिया जाए
Financial concurrence is accorded	वित्तीय सहमति दी जाती है
Draft letter is approved	पत्र मसौदा अनुमोदित किया जाता है
Reply be put up from me	मेरी ओर से उत्तर प्रस्तुत किया जाए
Please collect and put up	कृपया एकत्रित करें और प्रस्तुत करें
Give details	प्रस्तुत विवरण दें
Please expedite compliance	कृपया शीघ्र अनुपालन करें
May kindly see before issue	जारी करने से पहले कृपया देख लें

सीएमडी श्री पुनीत चावला का विदाई समारोह

10 मई 2022 को रेलटेल में प्रतिनियुक्ति कार्यकाल पूरा करने पर श्री पुनीत चावला, सीएमडी/रेलटेल को कार्यभार मुक्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें निदेशक/एनपीएम श्री संजय कुमार एवं निदेशक/वित्त श्री ए के सिंह, उन्हें भावभीनी विदाई के साथ पौधा पॉट एवं समृति चिन्ह प्रदान करते हुए। इस अवसर पर रेलटेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

सेवा निवृत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को भावभीनी विदाई

(जनवरी से जून 2022)

श्री राजेश कुमार नायर, सहायक महा प्रबंधक पश्चिमी क्षेत्र
श्री प्रकाश सैम, सहायक महा प्रबंधक दक्षिणी क्षेत्र
श्री विजय कुमार यादव, सुपरवाइजर उत्तरी क्षेत्र
डी मोसेस पॉल, सहायक महा प्रबंधक दक्षिणी क्षेत्र
श्री योगेंद्र नाथ तिवारी, प्रबंधक उत्तरी क्षेत्र

जब इंसान के हौसले उसकी परेशानी से बडें हो
तब उसे दुनिया की कोई ताकत नही हरा सकती।

रेलटेल द्वारा दी जाने वाली सेवाएं

ई-ऑफिस

क्लाउड सक्षम सॉफटवेयर के माध्यम से दिन-प्रतिदिन मैन्युअल फाइलिंग प्रणाली का डिजिटलीकरण जो रेलटेल के अपने टियर III प्रमाणित डेटा केन्द्रों से परिनियोजित/होस्ट किया जाता है।

एक सेवा के रूप में टेलीप्रेजेंस

अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेंट), अनुरक्षण (मेन्टीनेंश) अप्रचलन आदि का प्रबंध से मुक्त प्रबंधित सेवा मॉडल पर उच्च परिभाषित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा।

लाइन को लीज पर देना

बहुपथ(मल्टीपथ) सुरक्षा के साथ विश्वसनीय, सुरक्षित और स्केलेबल रिंग आर्किटेक्चर के साथ प्रबंधित लीज लाइन सेवाएं।

डॉटा सेंटर सेवाएं

अपटाइम यूएसए प्रमाणित 2 टियर III डेटा सेंटर को-लोकेशन, प्रबंधित सुरक्षा, समर्पित (डेटीकेटेड) होस्टिंग और प्रबंधन और मेइटी (Meity) पेनलबद्ध क्लाउड सेवाओं के लिए उपलब्ध हैं।

सुरक्षा संचालन केन्द्र सेवा

एंडपाइंट नेटवर्क, सर्वर, एप्लिकेशन, डेटाबेस और वेबसाइटों की 24×7 सक्रिय निगरानी और प्रतिक्रिया की पहचान करना।

प्रबंधित डेटा और एमपीएलएस-वीपीएन सेवाएं

भारत में कई स्थानों पर प्रबंधित डेटा और एमपीएलएस-वीपीएन लेयर-2 और लेयर-3 सेवाएं

वाई-फाई हॉटस्पॉट निर्माण

रेलवे स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों, स्मार्ट शहरों आदि में 6000+WI-FI हॉटस्पॉट बनाने के अनुभव के साथ अवधारण (कंसेप्ट) से कमीशनिंग तक सार्वजनिक/निजी वाई-फाई हॉटस्पॉट बनाने में विशेषज्ञता।

आई सी टी परियोजना एवं परामर्श सेवाएं

ऑन-साइट एवं ऑफ साइट वैन,लैन, आईटी सिस्टम, डॉटा सेंटर, ईआरपी/सीआरएम के लिए परामर्श सेवाएं।

टॉवर स्थानान्तरण

एक से अधिक बीटीएस के सपोर्ट के साथ अधिकतम जनसंख्या कवरेज के साथ उच्च एआरपीयू साइटों की उपलब्धता।

अभिनव डिजिटल सेवाएं

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली, चेहरे की पहचान के साथ आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली, रेलवे के लिए आईओटी, यूनिवर्सिटी प्रबंधन प्रणाली, स्मार्ट कक्षाएं, स्मार्ट सिटी सोल्यूशन आदि।

रेलवे सिगनलिंग परियोजना

सिगनलिंग परियोजनाओं, आधुनिक सिगनलिंग प्रणालियों, गाडी टक्कर रोक प्रणाली(टीसीएएस) आदि का एंड-टू-एंड निष्पादन।

रेलवॉयर ब्रॉडबैंड

railwire
RailTel's Express Network

स्थानीय एन्टरप्राईजेज के सहयोग से घर, छोटे कार्यालय उपयोगकर्ताओं और एमएसएमई के लिए रिटेल ब्रॉडबैंड सेवा।

रेलटेल
RAILTEL

आज़ादी का अमृत महोत्सव

railwire
RailTel's Express Network

आपका रेलवायर ब्रॉडबैंड लाया है अब इंटरनेट के साथ मनोरंजन सुविधाएं

पेश है "रेलवायर सतरंग"

असीमित ब्रॉडबैंड प्लान के साथ ओ-टी-टी प्लेटफॉर्म की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

- किफायती दर पर ओ-टी-टी की सुविधा आपके स्मार्ट टीवी, लैपटाप यास्मार्ट फोन पर उपलब्ध है।
- अब आप कहीं भी और कभी भी ओ-टी-टी का आनंद ले सकते हैं अपने स्मार्ट फोन पर ।
- ओ-टी-टी के साथ 150+ टी वी चैनलों की सुविधा भी उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.railwire.co.in अथवा (टोलफ्री) नंबर18001039139 पर काल करें।

ओटीटी पार्टनर

amazon prime · Disney+ hotstar · ZEE5 · SONY liv · erosnow

SUN NXT · aha · ALT BALAJI · EPIC ON · MXPLAYER

voot select · hungama · hungama Music

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

मिनी रत्न (श्रेणी-1) सीपीएसई

• आईएसओ • आईईसी • आईएसओ/आईईसी 2001:2018 • आईएसओ/आईईसी 2700:2013 • सीएमएमआई परिपक्वता स्तर -4